RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 206 , मंगलवार, 08 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

3 अक्टूबर को होगी ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ए.जी.एम 03

बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत एवं सुविधाओं में नहीं हो कोई कमीः रामकृपाल यादव 04

डीप नेक हॉल्टर टॉप में कंगना शर्मा का बोल्ड अंदाज, तस्वीरों ने इंटरनेट... 07

40 सालों में बदली देश की रफ्तार, अब अमेरिका को पछाड़ने की तैयारी में भारत

बनेगा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 'मेट्रो किंग'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का मेट्रो रेल नेटवर्क पिछले एक दशक में बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। जल्द ही भारत इस मामले में अमेरिका को पछाड़कर चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क वाला देश बन जाएगा।

इंदौर में मेट्रो रेल सेवा के विस्तार का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह उम्मीद जताई है।

- **अमेरिका से सिर्फ 216 किलोमीटर दूर भारत-** उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि वर्तमान में अमेरिका का मेट्रो रेल नेटवर्क 1,386 किलोमीटर लंबा है। वहीं, इंदौर में 2,850 करोड़ रुपये की लागत से हुए मेट्रो विस्तार के साथ भारत का कुल मेट्रो नेटवर्क अब 1,170 किलोमीटर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि भारत अब अमेरिका से महज 216 किलोमीटर पीछे है और जिस गति से देश में काम चल रहा है, अगले दो सालों में भारत अमेरिका को पीछे छोड़कर दुनिया में दूसरा स्थान हासिल कर लेगा। इस सूची में फिलहाल चीन करीब 8,000 किलोमीटर लंबे नेटवर्क के साथ पहले नंबर पर है।
- **एक दशक में 4 गुना से ज्यादा विस्तार-** भारत में मेट्रो का सफर 1984 में कोलकाता से शुरू हुआ था। साल 2014 तक देश के 5 शहरों में केवल 248 किलोमीटर मेट्रो लाइनें ही चालू थीं। हालांकि, 2017 की मेट्रो रेल पॉलिसी के बाद इसमें क्रांति आई।

2014 में 5 शहरों (248 किमी) से बढ़कर अब 26 शहरों में 1,170 किमी नेटवर्क हो चुका है। इसके साथ ही मेट्रो का सालाना बजट 2013-14 के 5,798 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 29,550 करोड़ हो गया।वहीं 2014 के बाद 3.44 लाख करोड़ की लागत से 1,051 किलोमीटर के 38 नए मेट्रो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान जैसी पहलों के जरिए मेट्रो प्रोजेक्ट्स को भी व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के दायरे में लाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि मेट्रो सिर्फ यात्रियों को लाने-ले जाने का साधन नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के सुगम जीवन को बढ़ावा देती है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

- **इंदौर मेट्रो का नया रूट और टाइमिंग-** अधिकारियों के अनुसार, इंदौर में गांधी नगर से मालवीय नगर चौराहा तक 17 किलोमीटर लंबे कमर्शियल रूट की शुरुआत हो चुकी है। इस रूट पर 16 स्टेशन बनाए गए हैं। सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक मेट्रो दौड़ेगी। हर 15 मिनट में ट्रेन उपलब्ध रहेगी और रोजाना 80 से ज्यादा टक्कर लगाएगी।
- **मेट्रो क्षेत्र में भारत के आधुनिक प्रयोग-** पिछले कुछ सालों में भारत ने मेट्रो में कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। जहां कोलकाता में देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो टनल शुरू हुई, वहीं कोच्चि में वाटर मेट्रो का सफल संचालन हो रहा है।

जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने ली राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। सोमवार को जयपुर स्थित राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उन्हें राजस्थान हाईकोर्ट के 44 वें

मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने राष्ट्रपति भवन से जारी वारंट पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। मुख्यमंत्री सहित कई अधिकारी मौजूद रहे मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के साथ कई मंत्री, राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बंदर के कूदने से ढही दीवार, 8 लोग दबे

एक महिला की मौत 7 गंभीर घायल, सीएम भजनलाल शर्मा ने हॉस्पिटल पहुंचकर हाल जाना

भरतपुर (एजेंसी)। भरतपुर जिले में मकान की दीवार ढहने से मलबे में 8 लोग दब गए। सभी घायलों को तुरंत आरबीएम अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने एक महिला को मृत घोषित कर दिया। बाकी 7 घायलों का आरबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना सेवर कस्बे के सिकलीगर मोहल्ले

की सोमवार की है। हादसे में गुरुवचन, मीरा (55), प्रेमवती (80), नंदनी (18), गुड्डू (25) सुनीता (45), वीरमति (50), अंकुश (17) घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा घायलों से मिलने हॉस्पिटल पहुंचे हैं ।प्रत्यक्षदर्शी संजय डांगी ने बताया- सेवर के सिलीघर मोहल्ले से महिलाएं सामान लेने बाजार की ओर जा रही थीं। इसी दौरान अचानक दीवार गिर गई। जिसके नीचे महिलाएं दब गईं। लोगों ने तुरंत दीवार की पट्टियां हटा कर महिलाओं को सेवर के अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद वहां से घायलों को आरबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। भरतपुर कलेक्टर कमर चौधरी ने कहा- राहगीरों ने बताया कि महिलाएं यहां से गुजर रही थी। इस दौरान किसी बंदर के दीवार पर कूदने से अचानक दीवार ढह गई। मलबे से सभी महिलाओं को निकाल लिया है, लेकिन अभी टीमें जांच कर रहीं हैं। इसमें एक की मौत हुई है।

मप्र-सागर में जहरीली शराब मामला

तीन और मरीजों की मौत

- **112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती; शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार**

अब तक 22 मौतों का दावा, आंकड़ों पर प्रशासन मौन

भोपाल/सागर (एजेंसी)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेंचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है।वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

जीतू पटवारी का दावा- 50 से ज्यादा लोगों की मौत- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- इस त्रासदी के कारण कई परिवारों में मातम छा गया है, जहां छोटे-छोटे बच्चों और बेटियों के सिर से पिता का साया उठ चुका है। पटवारी ने दावा कि जहरीली शराब से 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

10 आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रहे

सागर एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया कि शराब मामले में बंडा और विनायका थाने में 25 से अधिक नामजद लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। उनसे शराब के नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें अलग-अलग स्थानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। मामले के सभी बिंदुओं की बारीकी से जांच की जा रही है ।डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने बंडा के ग्राम बमूरा भेड़ा पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की।

दिल्ली 5 मंजिला बिल्डिंग हादसा

अब तक 7 मौतें, हॉस्टल मालिक हरिराम राजस्थान से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हॉस्टल के हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू टीम ने सोमवार सुबह मलबे से एक और शव निकाला। उधर 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू डॉग और कैमरे के सहायता से लोगों की तलाश की जा रही है।

सत्य निकेतन की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, एमसीडी- और डीयू जिम्मेदारः हाईकोर्ट

सत्य निकेतन इलाके में हुए दर्दनाक इमारत हादसे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गहरी नाराजगी और दुख जताया है। अदालत ने सोमवार को इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इसके लिए केवल इमारत के मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के हादसों के लिए संबंधित एजेंसियां अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकतीं।

स्वच्छता वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ ने बाजी मारी, इंदौर को दूसरा स्थान

टॉप 5 में मप्र रहा, 21वें स्थान पर दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस बार के नतीजों में यूपी की राजधानी लखनऊ ने बाजी मार ली है। वहीं, एमपी के इंदौर ने दूसरा और जबलपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

इस श्रेणी में देश की राजधानी दिल्ली 172 अंकों के साथ 21वें स्थान पर और मुंबई 160.8 अंकों के साथ 28वें स्थान पर रही। वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने 189 अंकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया है। दुर्ग-भिलाई 175.3 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा।

10 लाख से अधिक आबादी वाले टॉप-5 शहर

केटेगरी-फर्स्ट- जिसमें 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल हैं, उसमें यूपी की राजधानी लखनऊ को पहला स्थान, एमपी के इंदौर को दूसरा स्थान, जबलपुर को तीसरा, भोपाल और आगरा को संयुक्त रूप से चौथा और गुजरात के सूरत को पांचवा स्थान मिला है।

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)- 198 अंक (रैंक 1)
इंदौर (मध्य प्रदेश)- 197 अंक (रैंक 2)
जबलपुर (मध्य प्रदेश)- 195 अंक (रैंक 3)
भोपाल (मध्य प्रदेश) / आगरा (उत्तर प्रदेश)- 192 अंक (संयुक्त रूप से रैंक 4)
सूरत (गुजरात)- 191 अंक (रैंक 5)

केटेगरी-सेकेण्ड- 3 से 10 लाख तक की आबादी वाले शहर- केटेगरी-सेकेण्ड- जिसमें 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहर हैं, में ओडिशा के राउरकेला ने 198.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर फिरोजाबाद और गुंटूर 195 अंकों के साथ रहे। इस केटेगरी में छत्तीसगढ़ के कोरबा ने 186.5 अंकों के साथ 10वां स्थान हासिल किया है। मध्य प्रदेश से ग्वालियर 157 अंकों के साथ 30वें, सागर 178 अंकों के साथ 18वें और उज्जैन 181.5 अंकों के साथ 13वें स्थान पर रहा।

गुवाहाटी में पति ने पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने शादी के कुछ ही महीनों बाद पत्नी की क्रूर हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। हत्या के बाद पति फरार हो गया। मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ जब, पड़ोसियों को घर से तेज बदबू आने लगी। शिकायत के बाद पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची, पुलिस ने जब फ्लैट का का ताला तोड़ा, तो कमरे में महिला का धड़ मिला।कमरे की तलाशी लेने पर फ्रिज में सिर मिला। महिला के दोनों हाथों की उंगलियां भी आधी कटी हुई थीं और शरीर सड़ना शुरू हो गया था। पुलिस ने आरोपी पति को अरेस्ट कर लिया है।

किसी बात को लेकर हुई थी दोनों की बहस- महिला की पहचान 25 साल की रिया तालुकदार के रूप में हुई है। रिया की शादी करीब 6 महीने पहले ही गुवाहाटी के हाटीगांव इलाके में रहने वाले रामानुजन गोस्वामी से हुई थी।दोनों फ्लैट में किराए से रहते थे।

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

अबू धाबी जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट कोच्चि लौटी

नईदिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया। तब यह 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था।

इंजन में ऑयल खतरनाक स्तर तक कम हो गया, तब दोनों पायलट ने इसे बंद करने का फैसला किया। वे एक इंजन सहारे ही कोच्चि लौटे। चूंकि विमान ने करीब दो घंटे की ही उड़ान भरी थी इसलिए इसमें फ्यूल ज्यादा था। ऐसे में यह ओवरवेट लैंडिंग थी, जो और भी जोखिम भरी होती है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा- रिपोर्ट्स सही नहीं- एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, 'एक हफ्ते पहले हमारी कोच्चि-अबू धाबी की एक फ्लाइट ने तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस कोच्चि लौटने का फैसला किया था।

सीएम विजय बोले-महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा बर्दाश्त नहीं करूंगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम विजय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता है। महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विजय का यह बयान नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन की एक्ट्रेस त्रिशा को लेकर की गई डबल मीनिंग टिप्पणी के विवाद के बीच आया है। पुलिस ने 4 अगस्त को उदयनिधि स्टालिन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन्हें उसी दिन रिहा कर दिया गया था।

विजय ने कहा- कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी- विजय ने कहा कि विकास के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। पुलिस का काम सिर्फ आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि राज्य के विकास की नींव मजबूत करना भी है। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग कानून का पालन करते हैं, उनके लिए पुलिस दोस्त है और जो कानून नहीं मानते, उनके लिए पुलिस दुश्मन है। राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों को पुलिस के काम में दखल नहीं देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पुणे में पातेपुर के मजदूर की हत्या, शव गांव पहुंचते ही भड़के लोग, 4 घंटे सड़क जाम

हाजीपुर। पुणे में पातेपुर के 22 वर्षीय मजदूर सिकंदर कुमार की हत्या कर दी गई। सोमवार को उनका शव गांव पहुंचा तो परिजन और ग्रामीण भड़क गए। गुस्साए लोगों ने सड़क पर शव रखकर करीब चार घंटे तक जाम लगा दिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। सिकंदर कुमार बालिगांव थाना क्षेत्र के चांदपुरा गांव के रहने वाले थे। वह करीब छह महीने पहले ठेकेदार विनोद साह के साथ मजदूरी करने पुणे गए थे। परिजनों का आरोप है कि मजदूरी के दौरान विनोद साह और उनके साले अनिल कुमार से सिकंदर का विवाद हुआ। आरोप है कि अनिल कुमार ने हथौड़े से सिकंदर के सिर पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। शव गांव पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर जमा हो गए। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। लोगों को समझाने के लिए पंचायत के मुखिया मौके पर पहुंचे। आक्रोशित लोगों ने मुखिया के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान मौके पर भगदड़ मच गई। बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर स्थिति को संभाला। ग्रामीणों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की बात कही। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाढ़ का पानी घटने लगा, 91,944 लोग प्रभावित हुए, 250 से ज्यादा नावें लगाई गईं

हाजीपुर। वैशाली जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव का काम लगातार जारी है। जिला प्रशासन के मुताबिक, पानी का स्तर अब घटने लगा है। इससे ज्यादातर प्रभावित इलाकों में हालात धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। रविवार को समाहरणालय के पुष्कर्णी सभागार में डीएम वर्षा सिंह और एसपी शुभांक मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बाढ़ की स्थिति और प्रशासन की तैयारियों की जानकारी दी। प्रशासन ने बताया कि जिले के राघोपुर, बिदुपुर, हाजीपुर, महनार, देसरी और सहदेई प्रखंड के साथ-साथ हाजीपुर और महनार नगर परिषद इलाके बाढ़ से प्रभावित हैं। कुल 30 पंचायतें, 84 गांव और 13 शहरी वार्ड इसकी चपेट में हैं। करीब 91,944 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ पीड़ितों के लिए जिले में अभी 29 सामुदायिक रसोई चल रही हैं। जरूरत के हिसाब से इनकी संख्या बढ़ाई जा रही है। अब तक 8,700 सूखे राशन के पैकेट बांटे जा चुके हैं और प्रभावित परिवारों को बांटने का काम जारी है। राहत और बचाव के कामों के लिए 250 से ज्यादा नावें चलाई जा रही हैं। प्रशासन का कहना है कि नावों की पूरी व्यवस्था है। जरूरत पड़ने पर निजी नावें और दूसरे इलाकों से नावें मंगाकर भी राहत काम में लगाई जा रही हैं। बाढ़ प्रभावित परिवारों को अब तक 15 हजार से ज्यादा पॉलीथीन शीट बांटी गई हैं। जरूरत को देखते हुए मुजफ्फरपुर से 20 हजार और पॉलीथीन शीट मंगाई जा रही हैं। जिले में अभी 3 राहत कैंप भी चल रहे हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों को दवाइयां और पानी साफ करने के लिए हैलोजन टैबलेट भी दी जा रही हैं। पेट की बीमारी, बुखार और पानी से होने वाली दूसरी आम बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट पर रखा गया है। बचाव कार्यों के लिए SDRF की 13 नावें तैनात की गई हैं। इनमें 4 राघोपुर, 4 महनार, 2 हाजीपुर और 3 बिदुपुर में हैं। वहीं जिले में 14 स्थायी स्वास्थ्य शिविर संचालित किए जा रहे हैं। राघोपुर और महनार समेत अन्य प्रभावित क्षेत्रों में बोट एंबुलेंस के जरिए मेडिकल टीम लोगों तक पहुंच रही है। पशुओं के उपचार के लिए भी 7 पशु चिकित्सा शिविर चलाए जा रहे हैं। बाढ़ प्रभावित सभी 6 प्रखंडों में पशु चारे की आपूर्ति भी की जा रही है।

मोबाइल छिनतई का विरोध करने पर युवक ट्रेन से गिरा, बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में हुआ हादसा

हाजीपुर। हाजीपुर-सोनपुर रेलखंड पर जौहरी बाजार के पास चलती ट्रेन में मोबाइल छीनने की कोशिश के दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अपराधियों के साथ हुई छीनाझपटी में संतुलन बिगड़ने से युवक ट्रेन से नीचे रेलवे ट्रैक पर जा गिरा। घायल युवक की पहचान समस्तीपुर जिले के रसूलपुर बघरा गांव निवासी 18 वर्षीय शिवम कुमार के रूप में हुई है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, शिवम अपने चार साथियों के साथ काम की तलाश में दिल्ली जा रहा था। सभी बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार थे। ट्रेन में भीड़ होने के कारण शिवम दरवाजे के पास खड़ा था। बताया जा रहा है कि ट्रेन जैसे ही जौहरी बाजार के पास पहुंची, कुछ अपराधियों ने दरवाजे पर खड़े शिवम का मोबाइल छीनने की कोशिश की। शिवम ने मोबाइल बचाने का विरोध किया। इसी दौरान अपराधियों और उसके बीच छीनाझपटी होने लगी। छीनाझपटी के दौरान शिवम का संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ट्रेन से नीचे रेलवे ट्रैक पर जा गिरा। ट्रैक पर गिरने से उसके सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उसके साथियों ने शोर मचाया, जिसके बाद ट्रेन को रोका गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हुआ। स्थानीय लोगों और रेल मदद की सहायता से घायल शिवम को रेलवे ट्रैक के पास से उठाकर हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद समस्तीपुर से शिवम के परिजन भी हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद रेलखंड पर यात्रियों की सुरक्षा और चलती ट्रेन में मोबाइल छीनने की घटनाओं को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

पटना में सुसाइड नोट लिखकर युवक लापता

पटना। पटना का 23 साल का आशु रविवार शाम करीब 5 बजे से लापता है। उसके कमरे से एक सुसाइड नोट और मोबाइल फोन मिला है। परिवार वालों ने बुद्धा कॉलोनी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस युवक की तलाश के साथ मामले की जांच कर रही है। मामला बुद्धा कॉलोनी थाना इलाके के किदवईपुरी का है। आशु ने सुसाइड नोट में एक लड़की से अफेयर का भी जिक्र किया है। उसने लिखा है कि भैया मैं एक लड़की से प्यार भी करता हूं। उसका नंबर मेरे फोन में सेव है। उसको घटना के बारे में बता देना और कह देना किसी अच्छे लड़के से शादी कर लेगी। अब जा रहा हूं। आपका प्यारा बेटा छोटा लड़का मम्मी I love you bye...' आशु के बड़े भाई रोहित ने बताया कि उसने करीब 15 दिन पहले सक्षम ग्राम प्राइवेट लिमिटेड, हाजीपुर में नौकरी शुरू की थी। नौकरी को लेकर वह तनाव में चल रहा था। उसने कुछ परेशानियां मुझसे साझा भी की थी, लेकिन मैंने उसे समझाया था। आज उसके सुसाइड की खबर मिली है। फिलहाल, परिजन परेशान हैं। आशु ने सुसाइड नोट में लिखा है, 'हम हमेशा के लिए जा रहे हैं भइया। मम्मी-पापा का ख्याल रखना। कोशिश करना कि पापा दारू पीना छोड़ दें। मैंने अच्छा आदमी बनने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं हुआ। एक गलती हो गई। भइया तुम अच्छे से रहना और मां-पापा का ख्याल रखना।' सुसाइड नोट में उसने माइक्रो फाइनेंस कंपनी में काम के दौरान एक अनजान नंबर पर मैसेज करने का जिक्र किया है। उसके अनुसार, 'हम सक्षम ग्राम प्राइवेट लिमटेड में काम करते हैं। रात को अननोन नंबर को देखकर मैसेज कर दिया। रात में इसके लिए सॉरी बोलकर बात खत्म करने के लिए भी बोल दिया था, लेकिन यह बात बहुत आगे तक चली गई और इस कारण से मैं मरने जा रहा हूं। जिसको मैंने मैसेज किया था। वह साक्षी ग्राम की मेंबर थी। हम साक्षी ग्राम की पिंकी देवी, कंपनी के BM सत्य प्रकाश और स्टेट हेड राकेश कुमार की वजह से मर रहे हैं।' पुलिस सुसाइड नोट की सत्यता, उसमें लगाए गए आरोपों और युवक के लापता होने के कारणों की जांच कर रही है। परिजनों के मुताबिक, आशु के कमरे से मोबाइल और सुसाइड नोट मिलने के बाद वे काफी परेशान हैं। बुद्धा कॉलोनी पुलिस ने शिकायत के आधार पर युवक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल फोन और सुसाइड नोट समेत अन्य तथ्यों की जांच कर रही है, ताकि युवक के लापता होने की वास्तविक वजह सामने आ सके।

नल-जल अनुरक्षकों का प्रदर्शन सड़क पर बैठकर जता रहे विरोध

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान स्थित जेपी गोलंबर के पास सोमवार को नल जल अनुरक्षक संघ का विरोध प्रदर्शन जारी है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में सभी अनुरक्षक 17 अगस्त से गर्दनीबाग में धरना दे रहे थे। सोमवार को अचानक सभी अनुरक्षक सड़क पर उतर आए और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

छह सूत्री मांगों पर अड़े प्रदर्शनकारीः प्रदर्शनकारियों की छह सूत्री मांगें हैं। अनुरक्षकों की मांग है कि नई नियमावली लागू की जाए। साथ ही PHED ठेकेदार और PRD वार्ड सदस्य के नियंत्रण से अनुरक्षकों को मुक्त किया जाए। संघ की मांग है कि भूमिदाता को अनुरक्षक बनाया जाए और जमीन रजिस्ट्री वाला काला कानून खत्म किया जाए। अनुरक्षक सीधा बैंक भुगतान और 18 हजार रुपये मासिक वेतनमान देने की भी मांग कर रहे हैं। इसके अलावा नल जल अनुरक्षकों को पेंशन, मुफ्त इलाज, हर महीने चार छुट्टी और पर्व-त्योहार में बोनस देने की मांग रखी गई है।

प्रदर्शनकारी बोले- अभी तक एक भी रुपया नहीं मिलाः राम रतन सिंह यादव जल अनुरक्षक ने बताया कि 10 वर्ष से नल जल योजना से जुड़े हैं, लेकिन अभी तक एक भी रुपया नहीं मिला है। 22 दिन से धरना दे रहे हैं। लेकिन सरकार नहीं सुन रही है। ना कोई आश्वासन मिल रहा है।

कारगिल चौक पर अनुरक्षकों को बैरिकेड लगाकर रोकाः प्रदर्शन को देखते हुए पटना के कारगिल चौक पर अनुरक्षकों को बैरिकेड लगाकर रोक दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था तीन लेयर में की गई है। पहले लेयर में बैरिकेडिंग, दूसरे में स्थानीय पुलिस और तीसरे लेयर में CRPF के जवान तैनात हैं।

❐ गर्दनीबाग से उठकर जेपी गोलंबर आए

जेपी गोलंबर के पास बैठकर कर रहे प्रदर्शनः सभी अनुरक्षक जेपी गोलंबर के पास बैठकर गाना गा रहे हैं और अपनी मांगों के समर्थन में विरोध जता रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर पुलिस बल तैनात है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

फतुहा- बाढ़ के पानी में डूबा 18 वर्षीय युवक, मौत

एजेंसी, पटना

पटना जिले में फतुहा के पुनपुन नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच सोमवार सुबह फतुहा प्रखंड के सुल्तानपुर गांव में बाढ़ के पानी में डूबने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुल्तानपुर निवासी धूरी मालाकार के बेटे बीरू मालाकार के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा है।

ननिहाल से गांव लौट रहा था बीरूः स्थानीय लोगों के अनुसार, बीरू पिछले कुछ दिनों से अपने ननिहाल सिगरियावां में रह रहा था। सोमवार सुबह वह वहां से अपने पैतृक गांव सुल्तानपुर लौट रहा था। गांव के पास पहुंचने पर उसे मुख्य ग्रामीण सड़क पर बाढ़ का पानी भरा मिला। वह पानी के बीच से होकर घर जाने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया।

ग्रामीणों ने पानी से निकाला शवः हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और युवक की तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद ग्रामीणों ने बीरू के शव को पानी से बाहर निकाला और फतुहा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

परिवार को मुआवजे की मांगः बाढ़ के पानी के कारण इलाके की कई सड़कों और घरों तक पानी पहुंच गया है। ग्रामीणों ने फतुहा अंचलाधिकारी से मृतक के गरीब परिवार को सरकारी मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि आपदा की इस घड़ी में आर्थिक सहायता से परिवार को कुछ राहत मिल सकेगी।

चलती बाइक पर युवक-युवती के किसिंग वीडियो पर कार्रवाई

एजेंसी, पटना

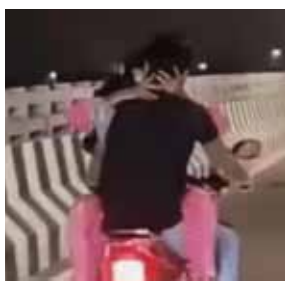

जेपी गंगा पथ पर कृष्णा घाट से दीघा गोलंबर की ओर आने वाली लेन में युवक युवती ने खतरनाक स्टंट किया था। दोनों के रोमांस के निजी वीडियो सामने आए थे। इस मामले में पटना ट्रैफिक पुलिस की ओर से गाड़ी ऑनर के खिलाफ ट्रैफिक थाना गांधी मैदान में केस रजिस्टर्ड किया गया है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से बताया गया है कि यह वीडियो पाटलिपुत्र थाना अंतर्गत कृष्णा घाट के पास मरीन ड्राइव का है।

5 सितंबर को शूट हुआ वीडियोः 5 सितंबर को शाम 5:30 में सूट किया गया था। स्पलेंडर गाड़ी है। इसके नंबर से ऑनर चालक दीपक कुमार की पहचान हुई है, जो मोगलपुरा पटना सिटी का रहने वाला है। युवक और युवती दोनों के खिलाफ BNS की धारा 281 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल अनुसंधान किया जा रहा है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस की ओर से सार्वजनिक जगहों पर इस तरह के स्टंट नहीं करने की अपील आम लोगों से की गई है।

अब जानिए वीडियो में क्या थाः वीडियो में युवक बाइक चला रहा था, जबकि युवती उसके साथ बैठी हुई थी और उससे लिपटी नजर आ रही थी। दोनों एक-दूसरे को किस कर रहे थे। वीडियो में बाइक चला रहे युवक और उसके साथ बैठी युवती, दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। चलती बाइक पर इस तरह का व्यवहार न सिर्फ यातायात नियमों के उल्लंघन का मामला बन सकता है, बल्कि इससे सड़क पर दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है।

पटना यूनिवर्सिटी के छात्र भूख हड़ताल पर बैठे, 10 सूत्री मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के छात्र आज से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। एलएलबी प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक, पीजी में हुई व्यापक फीस वृद्धि, अब तक MFA की पढ़ाई शुरू नहीं होने सहित छात्रों की अन्य मांगों को लेकर AISF के छात्र आज से 10 सूत्री मांगों को लेकर भूख हड़ताल की। PU के सीनेट हॉल के बाहर सभी छात्र बैठे और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाएं। इससे पहले भी AISF ने विरोध मार्च निकाला था।

विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहीः पटना विश्वविद्यालय के छात्र नेता बिट्टू भारद्वाज ने कहा कि पिछले दिनों पटना विश्वविद्यालय की एलएलबी प्रवेश परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र से परीक्षा शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में प्रसारित होने लगा था। इसकी सूचना तत्काल कुलपति, डीन और परीक्षा नियंत्रक को दी गई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रश्नपत्र बाहर आने की बात स्वीकार की, लेकिन परीक्षा रद्द कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से फिर परीक्षा आयोजित कराने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें नजरअंदाज कर रहा है।

❐ कुलपति को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग

एआईएसएफ पटना जिला सचिव मीर सैफ अली ने कहा कि संगठन की दस सूत्री मांगों को लेकर आज से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र समाधान करने की अपील की। साथ ही कहा कि यदि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा और हमारी मांग है कि पटना विश्वविद्यालय के तानाशाह भ्रष्ट कुलपति को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए।

एआईएसएफ की प्रमुख मांगें

- एलएलबी प्रवेश परीक्षा में हुई प्रश्नपत्र लीक की घटना की निष्पक्ष जांच कर परीक्षा रद्द की जाए और फिर से परीक्षा आयोजित की जाए।
- पीजी में हुई व्यापक फीस वृद्धि को अभिलंब वापस लिया जाए।
- पटना विश्वविद्यालय में MFA की पढ़ाई अविलंब शुरू की जाए।
- पटना विश्वविद्यालय सेंट्रल लाइब्रेरी को 24×7 शुरू किया जाए।
- विश्वविद्यालय परिसर में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।
- छात्रों की अन्य शैक्षणिक और लोकतांत्रिक मांगों का शीघ्र समाधान किया जाए।

खान एवं भूतत्व विभाग का राजस्व 35.85% बढ़ा, 259.94 करोड़ की अतिरिक्त वसूली

एजेंसी, पटना

अवैध खनन पर सख्ती, 2026-27 में 3,043 वाहन जब्त, 316 गिरफ्तार

बिहार के खान एवं भूतत्व विभाग के राजस्व में पिछले वर्ष की तुलना में 35.85 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। विभाग ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक करीब 259.94 करोड़ रुपए अधिक राजस्व की वसूली की है। वहीं, अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ भी विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। इस दौरान बड़ी संख्या में वाहन जब्त किए गए हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई है।

मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताईं उपलब्धियांः खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री प्रमोद चन्द्रवंशी ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विभाग के कामकाज और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया, 'विभाग ने राजस्व संग्रह के साथ-साथ अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की है।' मंत्री के मुताबिक, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में विभाग के राजस्व में 35.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे सरकार के खजाने में करीब 259.94 करोड़ रुपए अतिरिक्त आए हैं।

2025-26 में 2,425 वाहन जब्तः विभाग की ओर से बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2,425 वाहनों को जब्त किया गया। इस दौरान मामले में शामिल 233 लोगों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के तहत विभाग ने 35.78 करोड़ रुपए का जुर्माना भी वसूला।

चालू वित्तीय वर्ष में कार्रवाई और तेजः वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक विभाग की कार्रवाई और तेज हुई है। इस दौरान 3,043 वाहनों को जब्त किया जा चुका है, जबकि 316 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 42.01 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला गया है।

अवैध खनन पर जारी रहेगी कार्रवाईः मंत्री प्रमोद चन्द्रवंशी ने कहा कि सरकार अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन को लेकर गंभीर है। ऐसे मामलों में विभाग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि राजस्व बढ़ाने के साथ विभाग का उद्देश्य खनिज संपदा के अवैध दोहन पर प्रभावी तरीके से रोक लगाना है।

पटना में 21.20 करोड़ से बनेगा अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम

एजेंसी, पटना

बिहार के खिलाड़ियों को जल्द ही हाईटेक इंडोर स्टेडियम मिलने वाला है। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में करीब 21.20 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। करीब 30,864 वर्गफीट क्षेत्र में बनने वाले इस स्टेडियम को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें फोल्डेबल दर्शक दीर्घा के साथ ब्राडकास्टिंग रूम भी बनेगा। यहां कबड्डी, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, वॉलीबॉल, सेपक टाकरा, कुश्ती, जिम्नास्टिक, योग सहित अन्य इंडोर खेलों के ट्रेनिंग की सुविधा मिलेगी। बड़े खेल आयोजनों के दौरान दर्शकों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। स्टेडियम में 1,000 से अधिक दर्शकों की क्षमता वाला रिट्रैक्टेबल सीटिंग सिस्टम लगाया जाएगा। जरूरत के अनुसार सीटों को खोला या समेटा जा सकेगा। इससे अलग-अलग खेलों और प्रतियोगिताओं के अनुरूप स्पोर्ट्स फ्लोर का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा। खिलाड़ियों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम में अलग-अलग वॉर्म-अप एरिया, आधुनिक चेंजिंग रूम, लॉकर और वॉशरूम बनाए जाएंगे। महिला और पुरुष खिलाड़ियों के लिए अलग सुविधाएं होंगी। इससे प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों को बेहतर एवं पेशेवर माहौल मिल सकेगा। स्टेडियम में विशेष ब्रॉडकास्टिंग रूम भी बनाया जाएगा। यहां से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का लाइव प्रसारण करने में सुविधा होगी।

गांधी मैदान के बाहर वेंडिंग कियोस्क का होगा निर्माण, अंदर बनेगा साइकिल ट्रैक

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान के बाहर छोटे कारोबारियों के लिए वेंडिंग कियोस्क बनाया जाएगा। कांसेप्चुअल डिजाइन में चाय-नाश्ता, फल और अन्य रिफ्रेशमेंट की दुकानों को एक समान डिजाइन किया जाएगा। दरअसल, पटना के खाली और कम उपयोग वाले स्थानों को अब बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं से जोड़ने की तैयारी है। इसके लिए शहर के तीन प्रमुख क्षेत्रों को अर्बन ग्रीन एंड रिक्रिएशनल इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस प्रस्तावित तीन स्थानों में पटेल गोलंबर से एयरपोर्ट होते हुए शेखपुरा मोड़ तक का मार्ग, गांधी मैदान की बाहरी और आंतरिक परिधि और मीठापुर-करबिगहिया के बीच फ्लाईओवर के नीचे का क्षेत्र शामिल है।

गांधी मैदान के बाहर ऑटो स्टैंड को व्यवस्थित करने का प्रस्तावः गांधी मैदान की बाहरी परिधि को व्यवस्थित सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। इसमें चौड़ा फुटपाथ, हरियाली, बैठने की जगह, स्ट्रीट लाइट और वेंडिंग कियोस्क की परिकल्पना की गई है। कांसेप्चुअल डिजाइन को एक समान रखने का सुझाव दिया गया है। इससे सड़क किनारे बेतरतीब दुकानें लगाने के बजाय निर्धारित स्थान पर वेंडिंग की व्यवस्था की जा सकती है।

गांधी मैदान के गेट क्षेत्र में ऑटो स्टैंड को भी व्यवस्थित करने का प्रस्ताव है। कचरा प्रबंधन के लिए गीले, सूखे और रिसाइकिल होने वाले कचरे के अलग-अलग

डस्टबिन लगाने की योजना है। बेंच, छोटे लैंडस्केप क्षेत्र और पर्याप्त रोशनी से यहां आने वाले लोगों को बेहतर सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराने की परिकल्पना है।

गांधी मैदान के अंदर मिलेगी टहलने और साइकिल चलाने की सुविधाः गांधी मैदान की आंतरिक परिधि के विकास का भी कांसेप्ट तैयार किया गया है। प्रस्तावित डिजाइन में पैदल पथ को व्यवस्थित करने, हरियाली बढ़ाने और लोगों के बैठने के लिए स्थान विकसित करने की योजना है। कुछ हिस्सों में अलग साइकिल ट्रैक भी प्रस्तावित है। इससे मैदान के आसपास के खुले स्थानों को केवल आवागमन तक सीमित रखने के बजाय टहलने, बैठने और साइकिल चलाने के लिए उपयोगी बनाया जा सकेगा।

पटेल गोलंबर-एयरपोर्ट मार्ग बनेगा ग्रीन कॉरिडोरः पटेल गोलंबर से एयरपोर्ट होते हुए शेखपुरा मोड़ तक के मार्ग को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में विकसित करने का कांसेप्ट तैयार किया गया है। प्रस्तावित डिजाइन में सड़क के दोनों ओर व्यवस्थित फुटपाथ, अलग साइकिल ट्रैक और पर्याप्त हरियाली की व्यवस्था दिखाई गई है। डिवाइडर और सड़क के किनारे पौधारोपण के साथ पूरे मार्ग को आकर्षक बनाने की योजना है। पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए फुटपाथ पर पीले रंग की टैक्टाइल पट्टी लगाने का भी प्रस्ताव है, जिससे दृष्टिबाधित लोगों को आवाजाही में मदद मिल सकेगी। सड़क किनारे सजावटी स्ट्रीट लाइट, गमले और पौधों की कतार के अलावा दीवारों पर बिहार की कला एवं संस्कृति से जुड़े चित्र लगाने की परिकल्पना है। इससे एयरपोर्ट मार्ग को शहर के आकर्षक प्रवेश मार्ग के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

फ्लाईओवर के नीचे बनेगा हरित सार्वजनिक क्षेत्रः मीठापुर से करबिगहिया के बीच फ्लाईओवर के नीचे के क्षेत्र को भी विकसित करने का प्रस्ताव है। फ्लाईओवर के पिलरों के बीच पौधों से सजे लैंडस्केप क्षेत्र, पैदल पथ, बैठने की जगह और आकर्षक रोशनी लगाने का प्रस्ताव है। सड़क किनारे पैदल यात्रियों के लिए टैक्टाइल पथ और अलग-अलग प्रकार के कूड़ेदान भी प्रस्तावित हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में शराब कांड का वांछित आरोपित गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना पुलिस ने शराब कांड में लंबे समय से वांछित चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अरुण कुमार प्रसाद, पिता राजाराम प्रसाद, निवासी दुधही, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित हरसिद्धि थाना कांड संख्या 227/24, दिनांक 25 अप्रैल 2024 में वांछित था। पुलिस को उसकी तलाश लंबे समय से थी। गुप्त सूचना एवं उपलब्ध जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब से जुड़े मामलों में फरार आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। ऐसे मामलों में संलिप्त एवं फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपित को नियमानुसार न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की कार्रवाई से शराब कारोबार से जुड़े फरार आरोपितों में हड़कंप की स्थिति है।

बीजधरी में 36 लीटर चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, सहयोगी फरार

बीएनएम@ बीजधरी। थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 36 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान उसका एक सहयोगी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर मेहसी थाना क्षेत्र के मेहसी निवासी सूरज कुमार (20 वर्ष), पिता पप्पू सहनी को 36 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, उसका सहयोगी सुंदरापुर झगडुआ चट्टी निवासी राजेश सहनी, पिता लक्ष्मण सहनी मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

बीजधरी में 36 लीटर चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, सहयोगी फरार

बीएनएम@ बीजधरी। थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 36 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान उसका एक सहयोगी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर मेहसी थाना क्षेत्र के मेहसी निवासी सूरज कुमार (20 वर्ष), पिता पप्पू सहनी को 36 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, उसका सहयोगी सुंदरापुर झगडुआ चट्टी निवासी राजेश सहनी, पिता लक्ष्मण सहनी मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

सुल्तानपुर पूर्व से गर्भवती महिला का सुरक्षित रेस्क्यू

बीएनएम@ समस्तीपुर । मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच स्वास्थ्य विभाग की टीम ने त्वरित तत्परता दिखाते हुए सुल्तानपुर पूर्व से एक गर्भवती महिला का सुरक्षित रेस्क्यू किया है। बाढ़ का पानी फैलने के कारण क्षेत्र में आवागमन पूरी तरह बाधित और चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, ऐसे में महिला की नाजुक स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य टीम तुरंत मौके पर पहुंची।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के नेतृत्व में चलाए गए इस रेस्क्यू अभियान में स्वास्थ्य प्रबंधक बहाव आलम, लिपिक प्रभाष कुमार और नवनीत कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मुस्तैद रहे। टीम ने पूरी सावधानी बरतते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाला और आगे की आवश्यक चिकित्सीय देखरेख सुनिश्चित की। समय पर मिली इस मदद से परिजनों ने राहत की सांस ली है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी रखते हुए जरूरतमंदों तक सेवाएं पहुंचा रहा है।

अधिकारियों ने सामुदायिक किचन का किया निरीक्षण

बीएनएम@ समस्तीपुर: मोहिउद्दीननगर प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए चलाई जा रही राहत एवं सामुदायिक किचन व्यवस्था का मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों ने औचक जायजा लिया। अनुमंडल विकास पदाधिकारी विकास पांडेय, डीसीएलआर रोहित कुमार और कार्यपालक पदाधिकारी राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से अनुग्रह नगर बलुआही टाउन हॉल स्थित सामुदायिक किचन का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किचन में तैयार हो रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और वहां की व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। साथ ही, वहां शरण लिए हुए विस्थापित बाढ़ पीड़ितों से सीधा संवाद कर उन्हें मिल रहे भोजन व अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। प्रभावित लोगों ने भोजन की व्यवस्था पर संतोष जताते हुए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों ने समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह, कुंदन कुमार, राहुल कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बोरिंग को बदमाशों ने किया क्षतिग्रस्त, लाखो का नुकसान

बीएनएम@ शेखपुरा. नगर थाना क्षेत्र के बरुई गांव में असामाजिक तत्वों द्वारा किसान की मेहनत पर पानी फेरने का मामला सामने आया है। गांव निवासी पप्पू यादव ने अपने खेतों की सिंचाई के लिए करीब 3 लाख रुपये की लागत से बोरिंग गड़वाई थी, जिसे अज्ञात बदमाशों ने बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है।बदमाशों ने बोरिंग के पाइप को करीब तीन फीट तक काटकर उसका कटा हुआ हिस्सा अंदर ही छोड़ दिया और बोरिंग के भीतर मोरंग व गिट्टी भर दी, ताकि भविष्य में इसका दोबारा उपयोग न किया जा सके। पीड़ित किसान पप्पू यादव ने इस घटना की सूचना नगर थाना पुलिस को दे दी है और जल्द ही लिखित आवेदन देकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कही है। इस कायराना हरकत से किसान को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है।

पचपकड़ी में हथियार बरामदगी मामले में सीकरहना डीएसपी पर वारंट

बीएनएम@ सागर सूरज

घर से हथियार-गोली और एयर गन बरामदगी का मामला: कोर्ट के आदेशों की कथित अनदेखी पर पूर्व डीएसपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

मोतिहारी। पचपकड़ी थाना क्षेत्र में एक घर से कई हथियार, गोलियां और एयर गन बरामदगी से जुड़े मामले में अदालत ने तत्कालीन सिकरहना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रहे उदय शंकर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। बरामद हथियारों में कई घातक हथियार भी शामिल बताए गए हैं। मामला पचपकड़ी थाना कांड संख्या 153/2025 से जुड़ा है। अदालती कार्यवाही के अनुसार, हथियारों की बरामदगी और उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में रखे जाने के बाद मामले की जांच से संबंधित एक कार्रवाई को लेकर तत्कालीन एसडीपीओ की भूमिका पर सवाल उठे थे। अदालत ने इस मामले में उनसे स्पष्टीकरण और व्यक्तिगत उपस्थिति के साथ-साथ तत्कालीन SDPO तथा मोतिहारी एसपी से तथ्यात्मक रिपोर्ट भी मांगी थी। रिकॉर्ड के मुताबिक, अदालत ने 24 फरवरी 2026 को रिपोर्ट तलब की थी, लेकिन बाद की कार्यवाही में अदालत ने रिपोर्ट को संतोषजनक नहीं पाया। इसके बाद मामले में संज्ञान लेते हुए पूर्व एसडीपीओ को समन जारी किया गया। अदालत के निर्देशों के बावजूद बार-बार अनुपस्थिति के बाद अब गैर-जमानती वारंट जारी करने की कार्रवाई की गई है। अदालत की कार्यवाही में भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 199(बी) और 208 समेत संबंधित कानूनी प्रावधानों का उल्लेख किया गया है। धारा 208 के तहत वैध समन, नोटिस या आदेश के अनुपालन में जानबूझकर अनुपस्थित रहने को लेकर दंड का प्रावधान है। अदालत ने पूर्व की कार्यवाही में भी सरकारी पद पर रहते हुए न्यायिक प्रक्रिया के दायरे से बाहर जाकर की गई कथित कार्रवाई को गंभीरता से लिया था। हालांकि, अदालत में दर्ज आरोप और टिप्पणियां न्यायिक कार्यवाही का हिस्सा हैं और इन्हें दोषसिद्धि नहीं माना जा सकता। नवीनतम वारंट के बाद पचपकड़ी के हथियार बरामदगी मामले में न्यायिक प्रक्रिया और तत्कालीन पुलिस अधिकारी की भूमिका को लेकर मामला और गंभीर हो गया है। आरोप था की हथियारों की जप्ती के बाद बिना कोर्ट अनुमति के तत्कालीन अनुसंधानकर्ता ने एसडीपीओ के लिखित आदेश के बाद हथियार को छोड़ दिया था ।

3 अक्टूबर को होगी ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ए.जी.एम

बीएनएम@ मोतिहारी

ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट एसोसिएशन की बैठक रविवार देर शाम अध्यक्ष नवीन कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में उनके आवास पर हुई। बैठक में जिला क्रिकेट से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान आगामी क्रिकेट गतिविधियों और बिहार क्रिकेट एसोसिएशन से संबंधित कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 3 अक्टूबर 2026 को ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ए.जी.एम आयोजित की जाएगी। इसमें एसोसिएशन की आगामी कार्य-योजना, जिले में क्रिकेट गतिविधियों तथा संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। बैठक में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की आगामी एजीएम में ईस्ट चंपारण जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सचिव रवि राज को प्रतिनिधि के रूप में भेजने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा जिले में गठित एसोसिएशन की सभी उप समितियों को जिला एजीएम की बैठक में शामिल करने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने जिले में क्रिकेट गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के साथ संगठनात्मक स्तर पर बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक में अध्यक्ष नवीन कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष अजय कुमार, सचिव रवि राज, कन्हैया कुमार, सोनल कुमार, मधुरेन्द्र सिंह, रवि कुमार, ब्युटी कुमारी सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

90 दिन से लंबित ट्रैफिक चालानों का 7 से 11 सितंबर तक होगा पूर्व-पंजीकरण : सचिव नितिन त्रिपाठी

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। राष्ट्रीय लोक अदालत में 90 दिनों से अधिक समय से लंबित ट्रैफिक चालानों के एकमुश्त निपटारे की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए वाहन मालिकों को 7 से 11 सितंबर तक पूर्व-पंजीकरण कराने का अवसर दिया गया है। जिला परिवहन कार्यालय में प्री-रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है, ताकि 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में चालानों के निपटारे के दौरान लोगों को परेशानी नहीं हो। परिवहन विभाग के राज्य परिवहन आयुक्त की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, 90 दिनों से अधिक समय से लंबित ई-चालानों का निपटारा 'एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना 2026' के तहत राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जाना है। बड़ी संख्या में वाहन मालिकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पहले से पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। जिन वाहन मालिकों के ट्रैफिक चालान 90 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं, वे 7 से 11 सितंबर के बीच संबंधित जिला परिवहन कार्यालय में पहुंचकर पूर्व-पंजीकरण करा सकते हैं। इससे लोक अदालत के दिन चालान निपटाने में उन्हें सुविधा मिलेगी। निर्देश में संबंधित जिला परिवहन पदाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को लंबित ई-चालानों के निपटारे के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं, टोल प्लाजा से निर्गत लंबित ई-चालानों का निपटारा संबंधित जिले के स्तर पर ही कराने का निर्देश दिया गया है। प्री-रजिस्ट्रेशन के दौरान वाहन मालिकों को उनके चालान पर निर्धारित शमन राशि और कुल देय राशि की जानकारी भी दी जाएगी। इससे राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन मामलों का त्वरित निपटारा किया जा सकेगा। सचिव नितिन त्रिपाठी ने वाहन मालिकों से अपील की है कि 90 दिनों से अधिक समय से लंबित चालानों के निपटारे के लिए निर्धारित अवधि में जिला परिवहन कार्यालय पहुंचकर पूर्व-पंजीकरण करा लें, ताकि राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

चिकित्सा आपके द्वार जन जागरूकता रथ रवाना, गांव-गांव पहुंचाएगा स्वास्थ्य सेवाओं का संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के प्रत्येक नागरिक तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और गंभीर बीमारियों के प्रति आम लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य समिति, मोतिहारी की ओर से 'जांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत जन जागरूकता रथ रवाना किया गया। सदर अस्पताल परिसर से जिला गैर संचारी रोग पदाधिकारी शरत चंद्र शर्मा ने रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के कई वरीय पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि जन जागरूकता रथ अगले एक महीने तक जिले की सभी पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करेगा। इसका उद्देश्य सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है। जन-जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए रथ में आधुनिक ऑडियो-विजुअल व्यवस्था, प्रोजेक्टर एवं एलईडी स्क्रीन लगाई गई है। इसके माध्यम से विभिन्न पंचायतों में लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। फिल्मों के जरिए लोगों को विभिन्न बीमारियों के लक्षण, बचाव के उपाय, निःशुल्क चिकित्सकीय जांच तथा सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि समय रहते बीमारी की पहचान और उपचार से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। जिला गैर संचारी रोग पदाधिकारी शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। जागरूकता के अभाव में कई लोग छोटी बीमारियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में गंभीर रूप ले लेती हैं। उन्होंने कहा कि यह रथ गांव-गांव पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग करेगा और उन्हें समय पर जांच व उपचार के लिए प्रेरित करेगा। इस पहल से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा मिलने और अधिक से अधिक लोगों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की उम्मीद है।

एचआईवी के खिलाफ गांव तक पहुंची स्वास्थ्य विभाग की मुहिम

बीएनएम@ मोतिहारी

एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बीमारी की समय पर पहचान सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अपनी मुहिम को अब समुदाय के करीब पहुंचाना शुरू कर दिया है। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में पूर्वी चंपारण जिले में सघन जागरूकता अभियान और स्वीकृत माइक्रो प्लान के तहत लगातार इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में जागरूकता के साथ एचआईवी जांच, परामर्श और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को सिविल सर्जन पूर्वी चंपारण डॉ. दिलीप कुमार की अध्यक्षता में आरोग्य सदन स्वास्थ्य समिति में जिले के संबंधित अधिकारियों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य लक्षित लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना था। सिविल सर्जन ने एचआईवी-एड्स से संबंधित जागरूकता, स्वास्थ्य परामर्श, आवश्यक जांच सहित निर्धारित स्वास्थ्य गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूक करने के साथ बीमारी से जुड़े भ्रम, अफवाह और झिझक को भी दूर करना जरूरी है। जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. संजीव ने बताया कि एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता के लिए इंटेंसिफाइड आईईसी-3.0 कैंपेन चलाया जा रहा है। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना के निर्देश पर यह अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक चलेगा। जिले में संचालित इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप के दौरान एचआईवी, सिफलिस, हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी, टीबी, एनीमिया, ब्लड शुगर और हाइपरटेंशन सहित विभिन्न बीमारियों की मुफ्त जांच, परामर्श एवं आवश्यक दवाओं का वितरण किया जा रहा है। जिला प्रभारी पर्यवेक्षक संजय जायसवाल ने बताया कि एचआईवी-एड्स से बचाव के उपायों के प्रचार-प्रसार के लिए रैली, पोस्टर-बैनर, रेड रिबन क्विज, नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गर्भवती महिलाओं और एएनसी सेवाएं लेने वाली महिलाओं के बीच एचआईवी एवं सिफलिस की जांच और जानकारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा ब्रेक फ्री एप्लीकेशन के प्रचार-प्रसार के माध्यम से ऑनलाइन एचआईवी मौखिक आकलन एवं रिस्क असेसमेंट टूल के उपयोग को बढ़ावा देने, कंडोम और यौन संचारित संक्रमण संबंधी सेवाओं सहित राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत उपलब्ध सेवाओं की मांग बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय एड्स टोल-फ्री हेल्पलाइन 1097 के उपयोग के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत राज्य, जिला, प्रखंड और ग्राम स्तर पर विभिन्न सरकारी विभागों एवं प्रशासनिक इकाइयों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम और एचआईवी जांच को बढ़ावा देने की पहल की जा रही है। अभियान के तहत एचआईवी-एड्स के संक्रमण के कारणों और बचाव के उपायों के संबंध में जनजागरूकता बढ़ाने के साथ एचआईवी-एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण अधिनियम, 2017 के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और एएनसी सेवाएं लेने वाली महिलाओं के बीच एचआईवी एवं सिफलिस की जांच और जानकारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा ब्रेक फ्री एप्लीकेशन के प्रचार-प्रसार के माध्यम से ऑनलाइन एचआईवी मौखिक आकलन एवं रिस्क असेसमेंट टूल के उपयोग को बढ़ावा देने, कंडोम और यौन संचारित संक्रमण संबंधी सेवाओं सहित राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत उपलब्ध सेवाओं की मांग बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय एड्स टोल-फ्री हेल्पलाइन 1097 के उपयोग के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत राज्य, जिला, प्रखंड और ग्राम स्तर पर विभिन्न सरकारी विभागों एवं प्रशासनिक इकाइयों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम और एचआईवी जांच को बढ़ावा देने की पहल की जा रही है।

बिहार में पैक्सों का बनेगा डाटा बैंक, सदस्यों का ब्यौरा अनिवार्य

बीएनएम@ पकड़ीदयाल

राज्य के सभी 8463 पैक्सों का डाटा बैंक बनेगा। इसमें एक करोड़ 40 लाख बैक सदस्यों से जुड़ी तमाम जरूरी जानकारी देनी होगी। पैक्स सदस्यों को अपने उत्तराधिकारी का भी नाम बताना होगा। इससे पैक्स सदस्यों को सरकार के विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ मिलने में आसानी होगी। इसी कड़ी में बोकाने कला पंचायत से 500 सदस्यों का डाटा कलेक्ट आलोक कुमार सिंह द्वारा किया गया है। जिसका डाटा बैंक निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है।पैक्स सदस्यों की सभी सूचनाओं ऑनलाइन होने से राज्य के साथ ही केंद्र स्तर पर निगरानी भी आसान हो जाएगी। नई सहकारी नीति में प्रावधान किया गया है कि पैक्स के सदस्यों को सरकारी योजनाओं के तहत सब्सिडी का लाभ मिलेगा। अनाज का उचित मूल्य मिलेगा। डाटा के आधार पर सदस्यों को धान और गेहूं सहित विभिन्न फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचने में आसानी होगी। पैक्सों का डाटा बैंक बनने से योजनाओं के लाभ मिलने में आसानी होगी, योजना की सब्सिडी राशि भेजने में सुविधा होगी। तथा डाटा बैंक बनने से पैक्सों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी और फर्जीवाड़े पर भी रोक लगेगी। इस मौके पर स्कूटी गोविंद कुमार, बीसीओ शंकर कुमार, प्रबंधक रजनीश कुमार उपस्थित थें।

संक्षिप्त समाचार

फरार आरोपी भाई ने भी किया सरेंडर

बहुचर्चित चंचला कुमारी हत्याकांड

बीएनएम@ शेखपुरा. जिले के एक चर्चित और हाई-प्रोफाइल मर्डर केस में पुलिस के बढ़ते दबाव और न्यायालय के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई के डर से हत्या के सभी आरोपियों ने एक-एक कर कानून के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। लव मैरिज से जुड़े इस सनसनीखेज चंचला कुमारी हत्याकांड में पहले शिक्षिका मां की गिरफ्तारी हुई, फिर फरार पिता ने थाना पहुंचकर सरेंडर किया और अब आरोपी भाई शुभम कुमार ने भी नगर थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। तीनों आरोपियों के जेल पहुंचने के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।मालूम हो कि नगर थाना क्षेत्र के कमासी गांव में 25 नवंबर 2024 को डाक विभाग में बीपीएम के पद पर कार्यरत चंचला कुमारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला था। शुरुआत में इसे आत्महत्या बताने का प्रयास किया गया था, लेकिन पुलिस अनुसंधान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई। आरोप है कि प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने ही उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया था। मृतका ने कारे गांव निवासी राहुल कुमार से प्रेम विवाह किया था और दोनों की सामाजिक शादी 4 दिसंबर 2024 को तय थी। नए एसपी के आने के बाद मामले में कार्रवाई तेज होने से प्रेमी राहुल को अब न्याय की मजबूत उम्मीद जगी है।

हिमांशु का अंतरराष्ट्रीय ट्रायल के लिए चयन

छत्तीसगढ़ में दिखाएंगे प्रतिभा

बीएनएम@ शेखपुरा. जिले के युवा ताइक्वांडो खिलाड़ी हिमांशु कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद अब उनका चयन अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो ट्रायल के लिए हुआ है। मठोकर गांव निवासी अनुरुद्ध कुमार और रेणु देवी के पुत्र हिमांशु आगामी 14 एवं 15 सितंबर को छत्तीसगढ़ में आयोजित इस ट्रायल में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे।वह अंडर-17 बालक वर्ग के अंडर-52 किलोग्राम भार वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस ट्रायल में सफल रहने वाले खिलाड़ी भारतीय टीम में चुने जाएंगे और वे आगामी 2 से 4 दिसंबर 2026 तक ब्राजील के रियो डी जेनरियो में होने वाली विद्यालय अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ शेखपुरा के सचिव सह राष्ट्रीय कोच कुंदन कुमार ने हिमांशु की सफलता पर भरोसा जताते हुए कहा कि उनमें भारतीय टीम में जगह बनाने की पूरी क्षमता है। उनकी इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों में भारी खुशी का माहौल है।

हत्या, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास के मामलों में 07 अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ गयाजी। गया जिले में अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों में फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष छापामारी अभियान के तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से हत्या, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास के मामलों में कुल 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।बाराचट्टी थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिलचन्द्र यादव, अनुज कुमार और एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आर्म्स एक्ट और फायरिंग मामले में फरार राजकिशोर यादव उर्फ साधु तथा नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के अवैध हथियार तस्करी मामले में वांछित मो. शाबिर को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, विष्णुपद थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक अन्य मामले में संजय यादव को दबोचा गया।दूसरी ओर, वजीरगंज थाना क्षेत्र के बहुचर्चित हत्या कांड में पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए ललिन्द्र यादव उर्फ बुटाम यादव और सम्पु कुमार नामक दो और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस पूर्व में 09 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुराने नाले पर ही नया निर्माण दिखाकर राशि निकासी का आरोप, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

बीएनएम@ शेखपुरा. अरियरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विमान पंचायत के वार्ड संख्या 5 स्थित विमान गांव (पंडित जी टोला एवं सब टोला) में नाली निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर सरकारी राशि की बंदरबांट करने की नीयत से पुराने नाले के ऊपर ही नया निर्माण कार्य दिखाकर राशि निकासी की तैयारी करने का गंभीर आरोप लगाया है।ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थल पर नई नाली का निर्माण दर्शाया जा रहा है, वहां पहले से ही पक्की नाली मौजूद है। आरोप है कि पुराने नाले की दीवारों पर महज दो ईंटें जोड़कर उसे नए निर्माण का रूप दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जहां कई जरूरतमंद जगहों पर नई नाली की आवश्यकता है, वहां पुराने नाले पर ही सरकारी धन का दुरुपयोग क्यों किया जा रहा है? ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय स्थल जांच कराने, प्राक्कलन की समीक्षा करने तथा दोषी कर्मियों व ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की जोरदार मांग की है।

बेगूसराय : सहकारिता मंत्री ने बाढ़ प्रभावित शाम्हो प्रखंड का किया दौरा, राहत और बचाव कार्यों का लिया जायजा

बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत एवं सुविधाओं में नहीं हो कोई कमी : रामकृपाल यादव

बीएनएम@ बेगूसराय

समुदायिक रसोई, बोट एंबुलेंस और पशु चिकित्सा शिविरों के जरिए दी जा रही है राहत

» पॉलीथीन शीट्स और पशुचारा का वितरण तेज,प्रशासन पूरी मुस्तैदी से जुटा

बिहार सरकार के सहकारिता विभाग के मंत्री सह बेगूसराय जिले के प्रभारी मंत्री रामकृपाल यादव ने सोमवार को शाम्हो प्रखंड अंतर्गत सलहा सैदपुर बरारी पंचायत के वार्ड संख्या 03 एवं 04 पहुंचकर बाढ़ की गंभीर स्थिति का स्थलीय जायजा लिया। इस दौरान मंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों तथा पीड़ितों को मिल रही सुविधाओं का बारिकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मंत्री ने सामुदायिक रसोई का जायजा लिया और भोजन की गुणवत्ता की जांच करते हुए बच्चों के लिए नियमित रूप से दूध की व्यवस्था सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने बांध पर शरण लिए बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव सरकारी मदद का भरोसा दिलाया। मौके पर जिला पदाधिकारी रिची पांडेय, पुलिस अधीक्षक मनीष, अनुमंडल पदाधिकारी अश्विनी कुमार सहित अंचल अधिकारी और संबंधित पंचायत के मुखिया उपस्थित रहे।जिला पदाधिकारी रिची पांडेय ने मंत्री को विस्तृत रिपोर्ट सौंपते हुए बताया कि जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए कुल 165 सामुदायिक रसोई केंद्र पूरी क्षमता के साथ संचालित किए जा रहे हैं, जिसके माध्यम से अब तक कुल 89,667 जरूरतमंद व्यक्तियों को पका हुआ भोजन कराया जा चुका है। अकेले शाम्हो में 50 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित आवागमन और रेस्क्यू के लिए कुल 253 नावें निरंतर परिचलित हो रही हैं, जिनमें 230 सरकारी और 23 निजी नावें शामिल हैं। दियारा क्षेत्र के लिए एक विशेष बोट एंबुलेंस की भी तैनाती की गई है। स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि प्रभावित इलाकों में कुल 55 मेडिकल कैंप स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से अब तक 8,714 मरीजों का सफल इलाज कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी गई हैं। इसके अतिरिक्त मवेशियों की सुरक्षा और उपचार के लिए 8 पशु चिकित्सा शिविर क्रियाशील हैं, जहां 1,999 बीमार पशुओं का उपचार किया गया है तथा पशुपालकों के बीच 692.15 क्विंटल पौष्टिक पशुचारा वितरित किया जा चुका है।मंत्री रामकृपाल यादव ने अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों के साथ-साथ उनके मवेशियों के लिए भी पर्याप्त चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार बाढ़ पीड़ितों की हरसंभव सहायता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

बीएनएम@ बगहाः बगहा में नौरंगिया-मदनपुर जंगल के बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। पटखौली थाना क्षेत्र के नरवल-बरवल गांव निवासी दीपू कुमार (30) और नितिन गिरी (20) बाइक से वाल्मीकिनगर घूमने गए थे और लौटने के दौरान यह हादसा हुआ।सूचना मिलते ही नौरंगिया थानाध्यक्ष राज रौशन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल बगहा पहुंचाया। चिकित्सक डॉ. रामप्रवेश भारती ने प्राथमिक उपचार के बाद दीपू कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जीएमसी रेफर कर दिया, जबकि नितिन का इलाज वहीं चल रहा है। पुलिस फरार ट्रैक्टर और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत कार्य जारी

58 सामुदायिक रसोई संचालित

बीएनएम@ समस्तीपुर। जिले के बाढ़ प्रभावित मोहनपुर, मोहिउद्दीननगर एवं विद्यापतिनगर प्रखंडों में जिला प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार स्थिति पर नजर रखते हुए बाढ़ पीड़ितों को भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं, अस्थायी आश्रय और अन्य आवश्यक राहत सामग्री मुहैया कराई जा रही है।जिला प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक, तीनों प्रखंडों में करीब 2 लाख 33 हजार 212 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन परिवारों को भरपेट भोजन उपलब्ध कराने के लिए कुल 58 सामुदायिक रसोई चलाई जा रही हैं, जिनके माध्यम से अब तक लगभग 25,858 लोगों को भोजन कराया जा चुका है। यहां स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्था के लिए अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा, बारिश और बाढ़ से बचाव के लिए अब तक 31,398 पॉलिथीन शीट बांटी जा चुकी हैं।स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 18 मेडिकल कैंप काम कर रहे हैं, जहां मरीजों की जांच और मुफ्त दवाइयां दी जा रही हैं। पशुओं की सुरक्षा हेतु 17 पशु राहत कैंप बनाकर 216 क्विंटल भूसा व चारा वितरित किया गया है, साथ ही 17 पशु चिकित्सा शिविरों में 264 पशुओं का इलाज हुआ है। आवागमन के लिए 192 नावें चलाई जा रही हैं। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और आपात स्थिति में नियंत्रण कक्ष से संपर्क करने की अपील की है।

सर्वमंगला दुर्गापूजा समिति की बैठक संपन्न

बीएनएम@ बेगूसराय । लोहियानगर वार्ड संख्या 28 स्थित सर्वमंगला दुर्गापूजा समिति की आवश्यक बैठक मंदिर व्यवस्थापक सुधीर कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन सचिव सह कोषाध्यक्ष कार्तिक झा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 2026 की दुर्गा पूजा का त्योहार पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा।इस दौरान पूजा की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि सभी कार्यकर्ता अभी से तैयारियों में जुट गए हैं। इस बार आयोजन को और अधिक व्यवस्थित, आकर्षक और भक्तिमय बनाने का संकल्प लिया गया है। बैठक में सर्वसम्मति से नई पूजा समिति का गठन किया गया, जिसमें आजाद सहनी (लाइसेंसी), अमित सिंह (अध्यक्ष), कार्तिक झा (सचिव/कोषाध्यक्ष), कुंदन कुमार पिंटू (संयोजक) सहित कुल 21 सदस्यीय कार्य समिति बनाई गई है। बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पूर्व पार्षद डॉ. जितेन्द्र राय ने किया। इस अवसर पर स्थानीय निवासी और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में मिले 33 आवेदन

बीएनएम@ शेखपुरा. जिला पदाधिकारी शेखर आनंद की अध्यक्षता में सोमवार को उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में 'सबका सम्मान, जीवन आसान' कार्यक्रम के तहत विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं डीएम के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 33 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें जमीन का नकल निकालने, नल-जल कनेक्शन, जमाबंदी सुधार, अनुकंपा नियुक्ति, आवास योजना, बैंक ऋण की किस्त, घरेलू व भूमि विवाद तथा अंचल कार्यालय से जुड़ी शिकायतें प्रमुख थीं।डीएम ने एक-एक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष जांच कर त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता को अपने कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, यही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौके पर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लोक संघर्ष समिति का एक दिवसीय धरना, छह सूत्री मांगों का सौंपा ज्ञापन

बीएनएम@ योगापट्टी

बाढ़-कटाव पीड़ितों, भूमिहीनों और ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को लोक संघर्ष समिति के बैनर तले योगापट्टी अंचल कार्यालय के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान छात्र, युवा, मजदूर और किसानों ने एकजुट होकर अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर जोरदार आवाज बुलंद की। धरना स्थल पर "बाढ़ पीड़ितों और भूमिहीनों की मांगें पूरी करो" जैसे नारों से पूरा परिसर गूंजता रहा। इस धरने में सिसवा मंगलपुर, चौमुखा, बलुआ भवानीपुर और मच्छरगांवा समेत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे।प्रदर्शन के बाद समिति की ओर से छह सूत्री मांगों का एक ज्ञापन अंचलाधिकारी विक्रम सिंह को सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से गंडक नदी के कटाव से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, प्रभावी कटावरोधी कार्य कराने, कलेआ के भूमिहीनों को भूमि बंदोबस्त करने, बलुआ मूरत राय के पर्चाधारियों को मालिकाना हक दिलाने, फतेहपुर-शनिचरी सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा दाखिल-खारिज में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग की गई।मांग पत्र की पावती लेने को लेकर समिति के सदस्यों और अंचल प्रशासन के बीच कुछ देर तक मशक्कत भी हुई, लेकिन बाद में अधिकारियों के निर्देश पर पावती दी गई। कार्यक्रम को जेपी सेनानी पंकज, लालाबाबू राम, घेघी राम और हकीम मियां समेत कई लोगों ने संबोधित किया। वहीं, अंचलाधिकारी विक्रम सिंह ने आश्वासन दिया कि सड़क अतिक्रमण की वे खुद जांच कराएंगे और बाढ़-कटाव पीड़ितों की मांगों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मटिहानी में बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने पहुंचे पूर्व विधायक

बीएनएम@ बेगूसराय

» प्रशासन से युद्धस्तर पर राहत और पशुचारे की मांग

मटिहानी प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के जिला सचिव सह पूर्व विधायक अवधेश कुमार राय ने सोमवार को गोरगामा पंचायत से बाढ़ राहत एवं जनसंपर्क दौरे की शुरुआत की। उन्होंने कौवाकोल ढाला, दरियापुर, सोनापुर भराठ, हेमरपुर, रामदीरी, मटिहानी सहित विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ के कारण लोग और पशु गांवों में फंसे हुए हैं, जिससे पशुचारे का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। कई जगहों पर सामुदायिक रसोई न होने से भोजन और स्वास्थ्य सेवाओं का भी अभाव है, जिससे लोग बांधों पर शरण लेने को मजबूर हैं।पूर्व विधायक अवधेश कुमार राय ने प्रशासन से मांग की कि प्रभावितों के लिए तुरंत सामुदायिक रसोई, पर्याप्त पशुचारा, मेडिकल टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वहीं, पूर्व सांसद शत्रुघ्न प्रसाद सिंह और तेघड़ा के पूर्व विधायक राम रतन सिंह ने चेतावनी दी कि यदि एक-दो दिनों में राहत कार्यों में सुधार नहीं हुआ, तो पार्टी तीव्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरे के दौरान प्रताप नारायण सिंह, राजेंद्र चौधरी, मनोज कुमार, शोभा पासवान सहित कई पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

फुलवरिया में आयोजित भव्य मेले में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष

बीएनएम@ बेगूसराय

» भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को बताया प्रेरणादायी

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सोमवार को फुलवरिया तारा अड्डा, बरौनी स्थित चंद्रवंशी चौक पर श्रीकृष्ण पूजा समिति एवं श्रीराम जानकी ठाकुरबाड़ी में आयोजित भव्य मेला व धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि धर्म, नीति, कर्म, न्याय और लोककल्याण के महान संदेशवाहक हैं। उनका जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और कर्तव्य पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। श्रीमद्भगवद्गीता का हवाला देते हुए उन्होंने युवाओं से श्रीकृष्ण के चरित्र और जीवन-दर्शन को आत्मसात करने की अपील की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तेघड़ा विधायक रजनीश कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और सद्भाव बढ़ता है। इस दौरान पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में बरौनी नगर परिषद अध्यक्ष संजीव कुमार, बीहट नप अध्यक्ष बबीता देवी, श्रीकृष्ण पूजा समिति के सदस्य, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीएम ने घाटकुसुंभा के प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

» संभावित बाढ़ को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

बीएनएम@ शेखपुरा

संभावित बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गया है। सोमवार को जिला पदाधिकारी शेखर आनंद ने घाटकुसुंभा प्रखंड के सहरा, बटौरा, कोयला, आलापुर, पानापुर और सुजलवापुर समेत विभिन्न बाढ़ प्रभावित व दूरस्थ क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासनिक अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही न बरतने के कड़े निर्देश दिए।डीएम ने आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर तुरंत राहत शिविर स्थापित करने, प्रभावित परिवारों के बीच पॉलिथीन शीट व खाद्यान्न सामग्री वितरित करने तथा आवागमन को सुचारू रखने के लिए पर्याप्त सरकारी व निजी नावों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर एनडीआरएफ की टीम तैनात करने की बात भी कही गई। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल कैंप लगाकर डॉक्टरों और जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जबकि पशुपालन विभाग को पर्याप्त पशुचारा व पशु चिकित्सा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने कोयला स्थित 33/11 केवी पावर सबस्टेशन का जायजा लेते हुए विद्युत आपूर्ति सुचारू बनाए रखने और फसल क्षति का आकलन कर किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिलाने के निर्देश भी दिए।

लोक अदालत की सफलता बैठक आयोजित

बीएनएम@ बेगूसराय

जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीडब्लूएलएसए) के बैनर तले आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव विजयकांत झा ने की, जबकि संचालन व अन्य व्यवस्थाओं में न्यायपालिका और संघ के वरिष्ठ अधिकारी सक्रिय रूप से शामिल रहे।कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश करुणानिधि प्रसाद आर्य, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम संजय कुमार, एससी/एसटी कोर्ट के स्पेशल जज श्रीराम झा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मुकुंद कुमार, एसीजेएम प्रथम विवेक चंद्र वर्मा और जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ध्रुव कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्राधिकार के सचिव करुणानिधि प्रसाद आर्य ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकांत के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर की लोक अदालत को सफल बनाने के लिए 1 सितंबर से ही प्री-लिटिगेशन और प्री-सिटिंग के माध्यम से मामलों का निष्पादन शुरू कर दिया गया है। इसके तहत डीएलएसए के एडीआर भवन में विशेष बेंच लगाकर ई-चालान, कोर्ट केस, बैंक ऋण, बिजली, नापतौल और चेक बाउंस से जुड़े मामलों का समाधान किया जा रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता राममूर्ति प्रसाद सिंह, गोपाल कुमार, चंद्र भूषण मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता और डीएलएसए कर्मी उपस्थित थे।

समझौते कृषक हितों के खिलाफ

कहना कठिन है कि किसानों का संघर्ष कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह साफ है कि किसान- मजदूर वर्गों में वर्तमान आर्थिक नीतियों के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहरा रहा है। किसान संगठन फिर आंदोलन की राह पर हैं। गुजरे दस अगस्त को उन्होंने 'जेल भरोÓ मुहिम चलाई। अब वे सांसद और विधायकों सहित सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपना मांग-पत्र सौंप रहे हैं। उनकी मांगों और घोषित रणनीति पर गौर करें, तो संकेत मिलता है कि अकेले लड़ाई लडऩे की अपर्याप्तता का उन्हें अहसास हुआ है। इसलिए उन्होंने अपने संघर्ष में खेतिहर और शहरी मजदूरों को शामिल करने के साथ-साथ अपने मांग-पत्र में संघीय व्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था की आम दिशा से जुड़े मुद्दों को भी शामिल किया है। उनका आरोप है कि केंद्र 'कॉरपोरेट केंद्रितÓ नीतियों को आगे बढ़ा रहा, जिसकी मार किसान, मजदूर एवं आम मध्यम वर्ग पर पड़ी है। इसलिए अपने को कृषि क्षेत्र तक सीमित रखने के बजाय संयुक्त किसान मोर्चा ने अपने मांग-पत्र को आजीविका, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के बड़े दायरे से जोड़ा है। उनकी एक प्रमुख मांग है कि कर राजस्व का राज्यों को दिए जाने वाले हिस्से की मात्रा 31 से बढ़ा कर 50 फीसदी की जाए। मोर्चा का तर्क है कि कृषि संकट हल करने, कृषि आधारित औद्योगीकरण और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए राज्यों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता मिलना अनिवार्य है। मांग पत्र में भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के लिए जारी वार्ता पर विरोध जताया गया है। साथ ही हाल में हुए तमाम मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने की मांग की गई है। किसान संगठनों का दावा है कि ये सारे समझौते कृषक हितों के खिलाफ हैं। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य, व्यापक कृषि कर्ज माफी, 200 दिन काम की गारंटी और 700 रुपये प्रति दिन मजदूरी के प्रावधान के साथ मनरेगा की बहाली, चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, भूमि अधिकारों के संरक्षण, और बिजली निजीकरण एवं बीज विधेयकों की वापसी की मांग भी दोहराई गई है। फिलहाल, कहना कठिन है कि इस बार अधिक बड़ा मोर्चा बनाकर किसानों ने संघर्ष का जो एलान किया है, वह असल में कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह जरूर है कि किसान- मजदूर वर्गों में आर्थिक नीतियों की वर्तमान दिशा के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहराता जा रहा है।

भागवत किसी जादू की छड़ी से ग़ायब होने वाले प्राणी नहीं

पंकज शर्मा

बावजूद इस के कि मैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कट्टर विचारधारा का घनघोर विरोधी हूं, मैं मानता हूं कि संघ-प्रमुख मोहन भागवत को, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन क्या, दुनिया में कहीं भी जा कर, अपनी बात कहने का हक़ है। न्यू यॉर्क के मेयर ज़ोहरान क्वामे ममदानी के अधिकार क्षेत्र में अगर होता भी और वे आज होने वाले भागवत के वैश्विक एकात्मकता उत्सव का आयोजन रोक देते तो मैं तो इस का विरोध करता। हालांकि मैं जानता हूं कि जिस संघ-कुनबे का मुखिया अपने उद्दंडियों को भारत के भीतर ही विभिन्न समुदायों की एकात्मकता को तहस-नहस करने से नहीं रोक पाता हो, वह दुनिया भर में बंधुत्व की भावना क़ायम करने की पहलक़दमी भला किस मुंह से कर सकता है, मगर फिर भी मैं अपना यह विचार बदलने को तैयार नहीं हूं कि भागवत को अपने विचार व्यक्त करने के लिए ब्रह्मांड के किसी भी छोर पर अपने सम्मेलन-संगोष्ठी करने का अधिकार है।

संघ-प्रमुख ने कहां क्या कहा, इस पर बहस हो सकती है। अगर वे कोई ऐसी बात कहते हैं, जो किसी देश विशेष के क़ानून-क़ायदों का उल्लंघन करती है तो उन के ख़िलाफ़ कार्रवाई में भी किसी को गुरेज़ नहीं होना चाहिए। लेकिन मुंह खोलने से पहले ही उन की ज़ुबान पर ताला जड़ देने का पक्षधर कम-से-कम मैं तो नहीं हो सकता। इसलिए मैं कनाडा के दो सांसदों हीदर मैकफर्सन और जेनी क्वान की कनाडाई सरकार से की गई इस मांग को भी ग़लत मानता हूं कि भागवत को कनाडा में प्रवेश न दिया जाए और आरएसएस पर प्रतिबंध लगाएं। इस महीने की शुरुआत में लिखी अपनी चि_ी में दोनों ने कहा था कि भागवत का इतिहास नफ़रती भाषण देने और अल्पसंख्यकों के खिलाफ़ हिंसा का समर्थन करने का रहा है। इसलिए उन्हें कनाडा में प्रवेश के अयोग्य घोषित किया जाए।

अगर भागवत का इतिहास ऐसा रहा है तो उन के ख़िलाफ़ क़ानूनी कार्रवाई तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को करनी चाहिए थी। फिलहाल उन्होंने अमेरिका या कनाडा या ब्रिटेन की धरती पर तो ऐसा कोई अपराध किया नहीं है कि वहां के सांसद अपनी-अपनी सरकारों से आप्रवासन क़ानूनों के तहत उन के देश-प्रवेश पर पाबंदी लगाने जैसी मांग करें। भागवत की मौजूदगी से चिंतित कनाडाई सांसद वहां की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य हैं। उन के बेतुके दुराग्रह से तो उल्टे संघ-प्रमुख के वैचारिक ध्रुवीकरण की पोशीदा तमन्ना को उपजाऊ ज़मीन मिल गई। सौ से ज़्यादा इंडो-कैनेडियन संगठनों और हिंदू संस्थाओं ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को पत्र लिख कर भागवत की यात्रा का पुरज़ोर समर्थन कर डाला। मैकफर्सन और क्वान की मूर्खता ने संघ-विचार के बीजों को और तेज़ी से अंकुरित होने के लिए खाद-पानी ही मुहैया कराया। वरना भागवत जैसे गए थे, वैसे ही लौट कर घर को आ जाते।

अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन

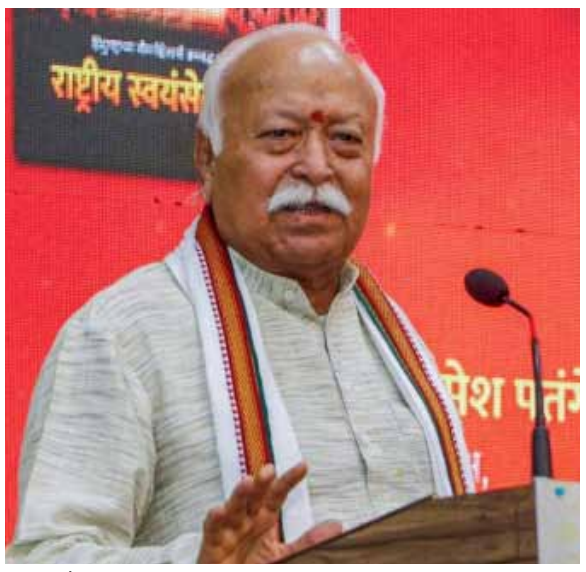

में दो सौ से ज़्यादा ऐसी संस्थाएं बहुत सक्रियता से काम कर रही हैं, जिन का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रत्यक्ष और परोक्ष अंतःसंबंध है। हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में 230 के आसपास दैनिक शाखाएं संचालित कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद के अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के कार्यकारी-खंड भी दर्जनों की तादाद में हैं। सेवा इंटरनेशनल, हिंदू एजुकेशनल फाउंडेशन और ओवरसीज़ फ्रेंड्स ऑफ़ बीजेपी की भी तीनों देशों में हर ज़रूरी मुहल्ले तक पहुंच है। यह आज से नहीं है। 35-40 बरस पहले भी जब मैं अमेरिका गया था तो भारतीय जनता पार्टी के समुद्रपारीय मित्रों की संस्था ने तक़रीबन हर छोटे-बड़े शहर में मुझे बुलाया और विचार साझा किए थे। ओवरसीज़ कांग्रेस का मुख्यालय तो तब न्यूजर्सी में भारतीय अचार-मुरब्बे-नमकीन की एक दुकान में था। परदेस में राहुल गांधी के हाड़तोड़ दौरों के बावजूद ओवरसीज़ कांग्रेस संघ-संस्थाओं के सामने आज भी अगण्य है। अगर यह दलील मान भी लें कि ऐसा इसलिए है कि भारत में बारह बरस से नरेंद्र भाई की हुकूमत है तो भी 2004 से 2014 के दस साल की अवधि में ही ओवरसीज़ कांग्रेस कौन-सी दिन दूनी रात चौगुनी फल-फूल रही थी? इसलिए जो लोग सोचते हैं कि परदेसी संसदों में बैठे अपने वैचारिक हमजोलियों के ज़रिए वे भागवत की आरएसएस के वैश्विक मंसूबों पर लगाम लगा लेंगे, वे अल्पमति की मीनार में क़ैद हैं। वे विदेशों में भागवत-पुराण के वाचन की जितनी ही मुख़ालिफ़त करेंगे, संघ की शाखाएं उतनी ही मजबूत होती जाएंगी। उस की हर शाख पर बैठे घुग्घूओं के बावजूद संघ की डालियां मांसल ही होती जाएंगी। अभी तो दूर-दूर तक पतझड़ के ऐसे किसी मौसम के आसार नहीं हैं, जिस में संघ-वृक्ष की देसी-विदेषी प्रजातियों के पत्ते सूख कर झर जाएं। इसलिए उन की जड़ों में डालने के लिए म_ा का मटका ले कर विचरने के बजाय सकारात्मक षक्तियों को ख़ुद की जड़ें सींचने के लिए गंगाजल ले कर डगर-डगर डोलने पर ध्यान देना चाहिए। सौ से ज़्यादा देशों में आरएसएस किसी-न-किसी शक्ल में मौजूद है। 40 देशों में तो उस की बाक़ायदा शाखाएं लगती हैं। तक़रीबन एक दर्जन मुस्लिम-बहुल मुल्क़ों में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्रिय है। खाड़ी के देशों में भी उस के सहयोगी संगठनों की ख़ासी उपस्थिति है। इस्लामी मुल्क़ों में चूंकि बाहर मैदान में शाखा लगाने की इजाज़त नहीं है, सो, शाखाएं घरों के भीतर लगती हैं। सैकड़ों ई-शाखाएं भी संचालित हो रही हैं। आरएसएस के विश्व विभाग ने पिछले 12 बरस में विदेशों में अपने पैर बेतरह पसारे हैं। नरेंद्र भाई जब प्रधानमंत्री बने थे, तब 39 देशों में संघ की 570 शाखाएं संचालित हुआ करती थीं। आज 55 देशों में संघ की 3200 शाखाएं और केंद्र संचालित हो रहे हैं। 2014 के बाद से आरएसएस ने यूरोप के बहुत-से देशों में अपना काम काफी तेज़ कर दिया है। जर्मनी, डेनमार्क, स्पेन, नीदरलैंड और नॉर्वे में संघ-गतिविधियों की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हालांकि कोई तुलना है नहीं, मगर दिल को बहलाने के लिए अगर कोई तुलना करना ही चाहे तो इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस की इकाइयां महज़ 32 देशों में काम कर रही हैं और यह संख्या तकनीकी ज़्यादा और व्यावहारिक कम है। आज की डिजिटल दुनिया के परिदृश्य के मद्देनज़र अगर आप इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस की अधिकारिक वेबसाइट के सफ़र पर निकल जाएं तो उस की दयनीय दशा देख कर आप की आंखें भर आएंगी। चेयरमेन सत्यनारायण गंगाराम (सैम) पित्रोदा को इतने कुपोषित अनुष्ठान का पुरोहित होने पर कितना गर्व है, कितना नहीं, मुझे मालूम नहीं, मगर ज़्यादातर लोग तो यही मानते हैं कि सारा उपक्रम छू कर निकल जाने जैसा लगता है। अब यह तो इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के सागर में राहुल गांधी की स्कूबा डाइविंग से ही कभी सामने आए-तो-आए कि उस के अंतःजल में कितनी मैरीन लाइफ़ है और कितनी कोरल रीफ्स वह अपने में समेटे है। मुझे तो उस के जीवंत जीवन और प्रवाल भित्तियों के घनत्व की बलैंया लेने को उमड़ता समूह किसी भी देश में दिखाई देता नहीं है।

वैचारिक प्रवाह की त्वरा में और सांगठनिक शक्ल में उस की तब्दीली में आकाश-धरती का अंतर होता है। रूमानी खयालात और ज़मीनी हक़ीक़त के दो किनारों को आलिंगनबद्ध करने के लिए Óगिली-गिली छूÓ बोल देना काफी नहीं होता है। उस के लिए तो धोती चढ़ा कर मैदान में उतरना पड़ता है। इसलिए भागवत किसी जादू की छड़ी से ग़ायब होने वाले प्राणी नहीं हैं।

भाजपा अपने फैसले स्वयं संभालने में पूरी तरह सक्षम

हरिशंकर व्यास

सन् 1980 में अटलबिहारी वाजपेयी के सुर में जनसंघ का जब भाजपा नाम से जन्म हुआ तब संघ के प्रमुख थे बालासाहब देवरस। फिर प्रो. राजेंद्रसिंह, सुदर्शन बने। तब भाउराव देवरस भाजपा के साथ संघ के समन्वयक थे। (जैसे इन दिनों अरूणकुमार है) कर्नाटक के एक एच. वी. शेषाद्रि, दत्तोपंत ठेंगड़ी, मोरोपंत पिंगले, यादवराव जोशी, एकनाथ रानाडे जैसे वे प्रचारक भी थे जो वैचारिक तौर पर चाहे जितने ठस हो लेकिन चाल, चेहरे, चरित्र में बेदाग थे। इंदिरा गांधी से ले कर राजीव गांधी, नरसिंहराव, वीपीसिंह आदि कईयों से इन प्रचारकों की मुलाकात हुई थी। ये भरोसा पैदा करते थे, कतृज्ञ हुआ करते थे, आज की तरह अहसानफरामोश नहीं।

वाजपेयी और ठेंगडी में परस्पर असहमतिया थी बावजूद इसके बतौर प्रधानमंत्री वाजपेयी के समय में मैंने कभी यह नहीं सुना कि वाजपेयी ने सुदर्शन या संघ को हैसियत बताने की जैसी बात की हो, अनदेखी की हो।

सवाल है क्या होता है हैसियत बताना? याद करें, मई 2024 में तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा का नरेंद्र मोदी-अमित शाह की सोच को यह कहते हुए व्यक्त करना कि- शुरुआत में हम कम सक्षम थे, छोटे थे और हमें आरएसएस की जरूरत पड़ती थी। आज भाजपा बड़ी हो चुकी है और सक्षम है। भाजपा खुद अपना काम चलाती है। यही अंतर है। इतना ही नहीं मोदी-शाह की महिमा का बखान करते हुए कहा -अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के समय भाजपा का काडर छोटा था और उसे संघ के सहयोग पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब भाजपा खुद इतनी बड़ी सांगठनिक शक्ति बन चुकी है कि वह अपने फैसले और काम स्वयं

संभालने में पूरी तरह सक्षम है।

सोचे, क्या यह सब मोहन भागवत, उनके पदाधिकारियों ने नहीं सुना होगा? नड्डा ने लोकसभा चुनाव के अधबीच संघ को हैसियत दिखाई थी। उनकी बात का मोहन भागवत और उनके पदाधिकारियों ने परोक्ष तौर पर भी जवाब नहीं दिया। मेरा मानना है कि तब से अब तक याकि मोदी द्वारा नितिन नवीन को अध्यक्ष बनाने से ले कर उनके पदाधिकारी, कार्यकारिणी बनाने के पूरे समय तक मोदी-शाह ने संघ को विश्वास में लेने याकि उनको बताने, सलाह करने में कुछ भी नहीं किया है। क्यों? इसलिए क्योंकि मोहन भागवत और उनके प्रचारक अब है क्या? मोदी-शाह के लिए ऐवें ही है। न काम के, न काज के, ढाई सेर अनाज के। जबकि मोदी भगवान है और अमित शाह चाणक्य! संघ नाम की संस्था में तनिक भी नैतिक बल नहीं है जो देवरस, ठेंगड़ी या मोरोपंत में था जो कह सकें कि देश को, आर्थिकी, उनके नौजवानों को क्या बना दे रहे हो? अब स्वदेशी संघ, मजदूर संघ, किसान संघ आदि सब मोदी-शाह के राज के खोखे है।

ध्यान रहे वाजपेयी के वक्त में सुदर्शन ने जेड़-सुरक्षा जैसी सरकारी सुरक्षा में सांसे नहीं ली थी तो न अपने दफ्तर फाइवस्टार होटलों जैसे बनवाए तथा न ही शिक्षा संस्थाओं में चाहे जैसी भर्तिया करवाई। तभी बिना रोक टोक के मोदी-शाह की सत्ता ने सौ साल पुरानी हिंदू राजनीति की कथित होल्डिंग कंपनी आरएसएस को अपनी खोखा कंपनी में कनवर्ट किया है। जैसे मोदी-शाह के लिए नितिन नवीन है वैसे मोहन भागवत और उनकी कार्यकारिणी है। इसलिए मेरे इस वाक्य को जरूर नोट करें कि नरेंद्र मोदी न केवल हिंदू सभ्यता-संस्कृति को खोखा बना दे रहे है बल्कि भाजपा और संघ दोनों की वह नियति बना देंगे जैसे हिंदुओं के कई पुराने मठों की दशा है।

दो टूक- कानून कठोर लेकिन बेटियां अब भी असुरक्षित क्यों ?

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली-एनसीआर में एक स्लीपर बस के भीतर 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना हमारी सुरक्षा-व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन की निगरानी, पुलिसिंग और सामाजिक चेतना, चारों की एक साथ विफलता का आईना है। 4 अगस्त की रात ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर गलत जानकारी देकर स्लीपर बस में बैठाया गया और कश्मीरी गेट तक चालक तथा परिचालक पर उसके साथ यौन हिंसा करने का आरोप है। लगभग 47 किलोमीटर के इस सफर के बाद उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड पर छोड़ दिया गया। इस घटना की सबसे भयावह बात केवल अपराध की क्रूरता नहीं बल्कि वह पूरा सुरक्षा-शून्य है, जिसमें यह अपराध संभव हुआ। एक नाबालिग लड़की रात में एक अनजान बस में बैठती है, बस लंबी दूरी तय करती है, उसके भीतर अपराध होता है और रास्ते में किसी स्तर पर ऐसी प्रभावी निगरानी नहीं हो पाती, जो इस अपराध को रोक सके। रिपोर्टों के अनुसार बस में पर्दे लगे थे और सीसीटीवी की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। यदि सार्वजनिक परिवहन के किसी वाहन का अंदरूनी हिस्सा इस तरह बाहरी निगरानी से लगभग कट जाए कि उसमें बैठे यात्रियों की सुरक्षा ही संदिग्ध हो जाए तो ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति देने वाली व्यवस्था से जवाब मांगना स्वाभाविक है। यहां एक और असहज सवाल है कि घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है लेकिन पुलिस ने इसकी जानकारी 31 अगस्त को सार्वजनिक की। इतने लंबे अंतराल में क्या हुआ? क्या जांच की गोपनीयता इसका कारण थी? क्या पीड़िता की निजता और सुरक्षा के कारण जानकारी सीमित रखी गई? या फिर किसी प्रशासनिक स्तर पर सूचना प्रबंधन में चूक हुई? इन प्रश्नों का स्पष्ट और विश्वसनीय उत्तर सार्वजनिक होना चाहिए क्योंकि अपराध की गंभीरता के साथ-साथ पुलिस की जवाबदेही भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यह जरूर उल्लेखनीय है कि शिकायत मिलने के बाद कश्मीरी गेट पुलिस ने कार्रवाई की, सीसीटीवी के जरिए बस की पहचान की और आरोपित चालक-परिचालक को गिरफ्तार किया, बस भी बरामद कर ली गई यानी अपराध के बाद पुलिस की जांच क्षमता पर सवाल उठाने से पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि अपराधियों तक पहुंचने में तकनीकी निगरानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन असली कसौटी गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है। पुलिस का काम केवल अपराध होने के बाद अपराधी पकड़ना नहीं है, आधुनिक पुलिसिंग का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अपराध होने से पहले उसे रोकना है। यदि सीसीटीवी अपराध के बाद बस का पता लगा सकता है तो सवाल यह है कि वही तकनीक संदिग्ध गतिविधि को पहले क्यों नहीं पकड़ सकी?

निर्भया कांड के बाद देश ने यही माना था कि अब व्यवस्था बदलेगी। दिसंबर 2012 में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में हुई बर्बरता ने पूरे देश को आंदोलित किया। कानून कठोर हुए, यौन अपराधों की कानूनी परिभाषाएं विस्तृत हुईं, नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए अलग कानूनी ढ़ांचा मजबूत हुआ और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा के सवाल को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाया गया। निर्भया मामले के चार दोषियों को 2020 में फांसी दी गई लेकिन 13 वर्ष बाद यदि एक नाबालिग लड़की फिर चलती बस में ऐसी ही दरिंदगी का शिकार होती है तो यह सवाल पूछना जरूरी है कि हमने कानून तो बदल दिए लेकिन व्यवस्था कितनी बदली? कानून की कठोरता जरूरी है लेकिन कानून का डर केवल सजा की कठोरता से पैदा नहीं होता। अपराधी के मन में सबसे बड़ा भय पकड़े जाने की निश्चितता का होता है। यदि उसे लगता है कि वह रात के अंधेरे में, सुनसान रास्ते पर, निगरानी से बाहर किसी वाहन में अपराध कर सकता है और उसे रोकने वाला कोई नहीं होगा तो कानून की किताब में लिखी कठोरतम सजा भी तत्काल निवारक शक्ति नहीं बन पाती। इसलिए चुनौती केवल कठोर कानून की नहीं, निश्चित निगरानी, त्वरित गिरफ्तारी और समयबद्ध न्याय की है। दिल्ली और नोएडा पुलिस के बीच घटना को लेकर सामने आए कथित विरोधाभास भी चिंता बढ़ाते हैं। दिल्ली-एनसीआर आज एक ऐसा महानगरीय क्षेत्र है, जहां शहरों की सीमाएं आम नागरिक के लिए लगभग अदृश्य हैं लेकिन अपराध होने पर वही सीमाएं पुलिस के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न बन जाती हैं। यदि कोई लड़की नोएडा में बस में चढ़ती है, दिल्ली की ओर आती है और दिल्ली में उतारी जाती है तो पुलिस की विभिन्न इकाइयों के बीच वास्तविक समय में समन्वय क्यों नहीं हो सकता? इस घटना का एक और पहलू सार्वजनिक परिवहन की जवाबदेही से जुड़ा है। स्लीपर बसों में पर्दों का इस्तेमाल, वाहन के भीतर निगरानी, यात्रियों की पहचान, ड्राइवर-परिचालक का सत्यापन, निर्धारित मार्ग से विचलन, रात में अकेले या नाबालिग यात्रियों की सुरक्षा, इन सभी बिंदुओं पर नियम होने भर से काम नहीं चलेगा। नियमों का वास्तविक अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। परिवहन विभाग, पुलिस और बस संचालकों की संयुक्त जवाबदेही तय करनी होगी। ऐसी बसों का नियमित सुरक्षा ऑडिट हो, सीसीटीवी और आपातकालीन अलर्ट प्रणाली अनिवार्य रूप से काम करे, चालक-परिचालक का सत्यापन हो और उल्लंघन पर केवल जुर्माना नहीं, परमिट और संचालन अधिकार पर भी कठोर कार्रवाई हो।

हालांकि हम इस घटना को केवल पुलिस की विफलता कहकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। एक ओर 16 वर्ष की बच्ची रात में अकेले यात्रा करते हुए अपराधियों के निशाने पर आ जाती है और दूसरी ओर उम्रदराज महिलाएं अपने ही परिवारों द्वारा छोड़ दी जाती हैं। प्रश्न केवल कानून का नहीं है, प्रश्न उस सामाजिक मानस का है, जिसमें कमजोर व्यक्ति सबसे आसान लक्ष्य बन जाता है। जब परिवार में संवेदना कमजोर होती है, जब शक्ति को सम्मान और अपराधी प्रवृत्ति को प्रभाव समझा जाने लगता है, जब धन और बाहुबल सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनने लगते हैं, तब कानून अकेला समाज को नहीं बचा सकता। हमारी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराध के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है। विपक्ष सरकार को घेरता है, सत्ता पक्ष गिरफ्तारी को अपनी उपलब्धि बताता है और बहस कुछ दिनों बाद किसी दूसरे मुद्दे में दब जाती है लेकिन पीड़िता का भय, उसका भविष्य और उसके मन पर पड़ा आघात किसी राजनीतिक बयान से समाप्त नहीं होता। महिला सुरक्षा चुनावी नारा नहीं, शासन की बुनियादी कसौटी होनी चाहिए।

'महिलाएं रात में कितनी सुरक्षित हैं' जैसे सवालों का उत्तर विज्ञापनों या राजनीतिक दावों से नहीं दिया जा सकता। उत्तर सड़कों पर दिखना चाहिए, बसों में दिखना चाहिए, पुलिस की प्रतिक्रिया में दिखना चाहिए और उन व्यवस्थाओं में दिखना चाहिए, जो किसी अकेली लड़की को संकट में पड़ने से पहले सुरक्षा उपलब्ध कराएं। वर्तमान घटना से दिल्ली-एनसीआर के लिए कुछ स्पष्ट सबक निकलते हैं। रात में चलने वाली बसों की अनिवार्य निगरानी हो, सभी स्लीपर बसों में कार्यशील सीसीटीवी और आपातकालीन संचार प्रणाली हो। चालक-परिचालक के पुलिस सत्यापन और प्रशिक्षण को नियमित किया जाए, बस के निर्धारित मार्ग और ठहराव की डिजिटल निगरानी हो, नाबालिग या अकेली महिला यात्री के साथ संदिग्ध स्थिति में चालक दल को विशेष प्रोटोकॉल का पालन करना पड़े, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली पुलिस के बीच साझा रियल-टाइम निगरानी तंत्र विकसित हो। सबसे महत्वपूर्ण, किसी भी महिला या बच्ची की शिकायत को 'क्षेत्राधिकार' के नाम पर एक थाने से दूसरे थाने तक न दौड़ाया जाए।

निर्भया के बाद हमने बहुत कुछ बदला लेकिन शायद उतना नहीं, जितना बदलना चाहिए था। कठोर कानून बनाना आसान है लेकिन कानून को जमीन पर उतारना कठिन। सीसीटीवी लगाना आसान है; उसे चौबीस घंटे सक्रिय रखना कठिन। पुलिस वाहन खड़े करना आसान है, वास्तविक गश्त सुनिश्चित करना कठिन।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आसपास ध्यान नहीं दे पाएंगे। अपनों के प्रति प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिवार के सदस्य की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। रचनात्मक कार्य में आप सूझ-बूझ से आगे बढ़ेंगे। आपके घर आज किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जाएंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो दिन शुभ है, आप कर सकते हैं। आपको काम में सफलता मिलने के अच्छे योग हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्त्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर बहुत ही सोच-समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को अपना प्रोजेक्ट पूरा करने में सफलता मिलेगी। लवमेट के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

कर्क राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं। इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में न करें। राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग मिलेगा, जिससे आप अपने कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे। आज आप किसी मांगलिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे। नौकरी करने वालों को अच्छी खबर मिलेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको आर्थिक मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

तुला राशिः आपके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को अच्छी तरह पूरा करने में सफल होंगे। ऑफिस के कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत हो सकती है, इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पास की किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। के हुए कार्यों को आज नए सिरे से कोशिश करेंगे तो आप सफल हो सकते हैं। आज काम में मन लगेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज आपको कर्ज से छुटकारा मिलेगा, जिससे रिलैक्स महसूस करेंगे। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है। आज आप कार्यस्थल पर किसी से बात करते समय मधुर भाषा का प्रयोग करें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढऩे की कोशिश करेंगे। आज किसी कठिन काम को मेहनत, धैर्य और समझदारी से आसानी से निपटा लेंगे। लेकिन ऑफिस में व्यस्तता के चलते घर देर से पहुंचेंगे। अगर आप जॉब बदलने की सोच रहे हैं तो अभी कुछ दिन रुक जाएं।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का प्रयत्न करें। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। व्यापारिक मामलों में जवाबदारी बढ़ सकती है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी होगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा है। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है, इसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आपके रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आज आप अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए प्लान तैयार करेंगे। आपको आज नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

डूरंड कप चैंपियन ईस्ट बंगाल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सौंपी प्रेसिडेंट्स कप ट्रॉफी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में डूरंड कप-2026 की विजेता टीम ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब को प्रेसिडेंट्स कप की ट्रॉफी सौंपी। ईस्ट बंगाल ने अगस्त में खेले गए 135वें डूरंड कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह ईस्ट बंगाल का डूरंड कप में 17वां खिताब था। इस जीत के साथ ईस्ट बंगाल ने सबसे ज्यादा डूरंड कप खिताब जीतने के मामले में मोहन बागान की बराबरी कर ली।

विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए फाइनल में ईस्ट बंगाल की ओर से थ्लिबाम बिपिन सिंह ने 10वें मिनट में, जबकि एडमंड लालरिंदिका ने 12वें, 22वें और 44वें मिनट में गोल किए। एडमंड ने हैट्रिक पूरी की। मोहन बागान की ओर से एकमात्र गोल मनवीर सिंह ने 33वें मिनट में किया था। राष्ट्रपति भवन के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू ने डूरंड कप टूर्नामेंट-2026 की प्रेसिडेंट्स कप ट्रॉफी विजेता ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब को सौंपी। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी के अध्यक्ष और थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन सहित सोसाइटी के पदाधिकारी और ईस्ट बंगाल के खिलाड़ी मौजूद रहे। तीनों सेनाओं की ओर से आयोजित डूरंड कप दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी जीवित फुटबॉल प्रतियोगिता है। वर्ष 1888 में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट भारत की सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिताओं में शामिल है और स्थापित खिलाड़ियों, उभरती प्रतिभाओं तथा सर्विसेज टीमों को अपनी प्रतिभा दिखाने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। डूरंड कप के 135वें संस्करण में कुल 24 टीमों ने हिस्सा लिया था। इनमें श्रीलंका की सशस्त्र सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली एक विदेशी टीम भी शामिल थी। इसके साथ ही टूर्नामेंट ने भारतीय क्लबों, सर्विसेज टीमों और अंतरराष्ट्रीय टीमों को एक मंच पर लाने की अपनी परंपरा को जारी रखा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम घोषित, लाबुशेन पर फिर जताया भरोसा

एजेंसी, सिडनी

बांग्लादेश के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी टेस्ट दौरे के लिए मार्नस लाबुशेन को टीम में बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला 9 अक्टूबर से शुरू होगी। यह 2018 के विवादित दौरे के बाद पहली बार होगा जब ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। लाबुशेन को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में केवल 1, 31 और 4 रन बनाने के बावजूद टीम में जगह मिली है। उनका आखिरी टेस्ट शतक तीन साल पहले मैनचेस्टर में आया था। ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उन पर भरोसा बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया ने टीम में युवा ऑलराउंडर कूपर कोनोली को भी शामिल किया है। कोनोली ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था और उनके नाम अभी सिर्फ एक टेस्ट मैच है। मैथ्यू कुह्नेमैन और माइकल नेसर को भी टीम में जगह मिली है। कुह्नेमैन बाएं हाथ के स्पिनर हैं और वह ऑफ स्पिनर नाथन लियोन को अतिरिक्त स्पिन विकल्प प्रदान करेंगे। वहीं, नेसर अपनी ऑलराउंड क्षमताओं के कारण दक्षिण अफ्रीका में उपयोगी साबित हो सकते हैं। पिंडली की चोट के कारण वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे। 2025-26 की एशेज श्रृंखला में तीन मैचों में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले नेसर के अपने जन्म के देश दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के सलामी जोड़ीदार के रूप में मैथ्यू रेनशॉ को भी बरकरार रखा है। डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद रेनशॉ ने जेक वेदराल्ड की जगह ली थी। पिछले घरेलू सत्र में शेफील्ड शील्ड के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज रहे रेनशॉ ने 10 पारियों में तीन शतक लगाए थे। मैके टेस्ट की एकमात्र पारी में वह आठ रन पर आउट हुए, लेकिन चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन्हें फिर मौका दिया है।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने मार्क कोल्स

एजेंसी, हरारे

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद की गई है। उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से कोल्स अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। यह दोनों देशों की महिला टीमों के बीच पहली अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला होगी। न्यूजीलैंड के कोल्स इससे पहले पाकिस्तान और स्कॉटलैंड की महिला टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने स्कॉटलैंड की पुरुष टीम के साथ सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। इसके अलावा वह क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में उच्च प्रदर्शन प्रबंधक रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में कोचिंग सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तवेंगवा मुकुहलानी ने कहा, "मार्क कोल्स अंतरराष्ट्रीय कोचिंग और उच्च प्रदर्शन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। उन्हें महिला क्रिकेट की जरूरतों और चुनौतियों की भी अच्छी समझ है। हमें विश्वास है कि वरिष्ठ और अंडर-19 स्तर पर नियुक्त तकनीकी और सहयोगी स्टाफ के साथ मिलकर वह एक प्रतिस्पर्धी टीम तैयार करने और लंबे समय तक सफलता के लिए स्पष्ट मार्ग बनाने में मदद करेंगे।" उन्होंने कहा, "हमें पूरा विश्वास है कि यह समूह जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगा।"

ओडिशा टी-20 लीग सीएम ट्रॉफी के लिए छह टीमों के 16-16 खिलाड़ियों वाले दस्ते तय

एजेंसी, भुवनेश्वर । ओडिशा क्रिकेट संघ ने रविवार को ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट पूरा कर लिया। इसके साथ ही आगामी सत्र के लिए छहों फ्रेंचाइजी के दस्ते तय हो गए हैं। प्रत्येक टीम ने ड्राफ्ट के दौरान 16 खिलाड़ियों का चयन किया। लीग के नए सत्र में राज्य के उभरते क्रिकेटरों को पेशेवर मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने और करियर में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को प्रतियोगिता का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्रॉफी में भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटंस, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स की टीमें हिस्सा लेंगी। ओडिशा क्रिकेट संघ के मानद सचिव संजय बेहरा ने कहा, "ओडिशा टी-20 लीग के दूसरे सत्र की ओर बढ़ते हुए मैं सभी टीम मालिकों, कोच, टीम प्रबंधकों और ओडिशा क्रिकेट संघ के सदस्यों के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। फ्रेंचाइजी मालिकों और निवेशकों की उत्साहजनक रुचि लीग के व्यावसायिक विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को मजबूत मंच देने और उन्हें अगले स्तर तक पहुंचने का रास्ता तैयार करने के बारे में है।

यूएस ओपनः कार्लोस अल्कराज ने टॉमी पॉल को हराया, लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी, न्यूयॉर्क

गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। अल्कराज इस साल फ्लशिंग मीडोज में लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अब तक शानदार फॉर्म दिखाई है। टॉमी पॉल पर जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 18 मैच तक पहुंच गया है। जीत के बाद अल्कराज ने पत्रकारों से कहा, "मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस समय मेरा स्तर कहां है। टॉमी को हराना हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया देता है और इससे पता चलता है कि आप इस समय किस स्तर पर हैं। आज मैंने जो कुछ किया, उससे मैं बहुत खुश हूं।" उन्होंने कहा, "मैं खेल को बहुत अच्छी तरह समझ पा रहा था। मुझे पता था कि हर समय क्या करना है और किस मौके पर किन चीजों का इस्तेमाल करना है। उम्मीद है कि मैं इसी लय को बनाए रखूंगा।" मुकाबले के तीसरे सर्विस गेम में अल्कराज को टॉमी पॉल की ओर से कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने करीब 161 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगाए गए शानदार फोरहैंड विनर से इसका जवाब दिया।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में फाइकेम टेक की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, बाद में हुई लिवाली से अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

रोटेशनल मोल्डिंग कंपाउंड्स और स्पेशलिटी पॉलिमर सॉल्यूशंस तैयार करने वाली कंपनी फाइकेम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई खरीदारी से कंपनी के आईपीओ निवेशक खुश हो गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 56 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद कुछ देर के लिए हुई बिकवाली के कारण कंपनी के शेयर गिर कर 54.50 रुपये के स्तर तक आये। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारी शुरू हो गई, जिससे इस शेयर के भाव में तेजी का रुख बन गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के करीब कंपनी के शेयर 58.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि दोपहर एक बजे के करीब मुनाफा वसूली होने के कारण कुछ देर के लिए अपर सर्किट ब्रेक भी हुआ लेकिन शाम तीन बजे के थोड़ा पहले एक बार फिर लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर पर अपर सर्किट लग गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 4.80 रुपये यानी 8.89 प्रतिशत के फायदे में रहे।

कंपनी का 14.58 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 अगस्त से दो सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 20.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 42.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी प्लांट और नई मशीनरी खरीदने, कंपनी पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

फाइकेम टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.69 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 4.09 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 47.59 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 51.11 करोड़ रुपये और 2025-26 में उछल कर 57.48 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 5.61 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 4.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 5.91 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी इस अवधि में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 6.57 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 9.41 करोड़ रुपये के स्तर पर और 2025-26 में घट कर 6.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.86 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 9.70 करोड़ रुपये के स्तर पर और पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 13.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

पर्पल स्टाइल लैब्स की स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

पनियाज पॉप अप शॉप की पैरेंट कंपनी पर्पल स्टाइल लैब्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोरी के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 575 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.26 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 539 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.96 प्रतिशत डिस्काउंडट के साथ 535 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर गिर कर 515.85 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 588.90 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में दोबारा गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 569 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर छह रुपये यानी 1.04 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 680 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 अगस्त से दो सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.89 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,18,26,086 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी पूर्ण मालिकाना हक वाली सब्सिडरी पीएसएल रिटेल में निवेश करने, सेल्स और मार्केटिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। पर्पल स्टाइल लैब्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार डांवाडोल बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 47.71 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 188.38 करोड़ रुपये स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध घाटा उछल कर 285.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 510.03 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 494 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को कुल 567.07 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 116.33 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 112.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

एयर इंडिया में सुरक्षा और लागत नियंत्रण पर ध्यान देने की जरूरत : चंद्रशेखरन

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एयरलाइन के बदलाव के अगले चरण में सुरक्षा, ग्राहकों के भरोसे, कामकाज में बेहतरीन प्रदर्शन और आर्थिक रूप से टिकाऊ बने रहने पर ध्यान देने की बात दोहराई है। एयर इंडिया के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टेवोल्डे गेबरियाम और निवर्तमान प्रमुख कैंपबेल विल्सन भी बैठक में मौजूद थे। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार बताया कि टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एक इंटरनल मीटिंग में एयर इंडिया के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सुरक्षा पर ध्यान देने और लागत नियंत्रण की मजबूत संस्कृति बनाने की जरूरत पर जोर दिया। इस बैठक में चंद्रशेखरन ने औपचारिक रूप से गेबरियाम का कर्मचारियों से परिचय कराया। चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया में भरोसा बहाल करना एयरलाइन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इसके लिए पूरी कंपनी में विश्वस्तरीय प्रक्रिया, नियमों का सख्ती से पालन और व्यक्तिगत जवाबदेही की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, ''एयर इंडिया एयरलाइन को सबसे महत्वपूर्ण चीज जो हासिल करने का प्रयास करना चाहिए, वह लोगों का भरोसा है।'' चंद्रशेखरन ने कहा कि विमानन कंपनी का सुरक्षा रिकॉर्ड सबसे बेहतर से बेहतर होना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से लागत नियंत्रण की मजबूत संस्कृति बनाने में मदद करने का आग्रह किया।

बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति में सुधार, रैक लोडिंग बढ़कर हुई 444 रैक प्रतिदिन

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। पिछले चार दिनों में कोयला लोडिंग में 74 रैक प्रतिदिन की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो बढ़कर अब 444 रैक प्रतिदिन हो गई है। यह देश में बिजली उत्पादन की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि अब तक बिजली क्षेत्र के लिए 370 रैक प्रतिदिन भेजे जा रहे थे, जो 3 सितंबर को बढ़कर 444 रैक प्रतिदिन हो गई है। इस प्रकार चार दिनों में कुल 74 रैक प्रतिदिन की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो करीब 20 फीसदी की वृद्धि है। अकेले छह सितंबर को ही 31 रैक की सुधार इसमें शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि यह विद्युत क्षेत्र को कोयले की सप्लाई को बढ़ाने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), उसकी सहायक कंपनियों, एससीसीएल और कैप्टिव माइन ऑपरेटरों द्वारा निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि आवश्यक ताप विद्युत संयंत्रों (जिनमें कोयले का भंडार मानक आवश्यकता के 25 फीसदी से कम है) की संख्या पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। इन संयंत्रों की स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए कोयले की आपूर्ति संबंधी सुधारात्मक उपाय पहले से ही लागू किए जा चुके हैं।

कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी, 97 डॉलर के पार पहुंची ब्रेंट क्रूड की कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड आज 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 96.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। हालांकि ट्रेडिंग शुरू होते ही ये फिसल कर 96.34 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9:30 बजे तक ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 97.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। सुबह 9:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 97.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 0.71 डॉलर प्रति बैरल उछल कर 92.19 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 91.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 92.57 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह 9:45 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.11 प्रतिशत की उछाल के साथ 92.50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

वीर पहाड़िया की फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान, 2 अक्टूबर को होगी रिलीज

बॉलीवुड निर्माता गौरव वर्मा ने अपने नवस्थापित बैनर, अवनिका फिल्म्स की पहली फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान किया है, जिसमें वीर पहाड़िया मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म को फार्स फिल्म्स के साथ सह-प्रस्तुत किया गया है। इसके निर्देशन की कमान अपूर्व सिंह कार्की ने उठाई है, जिन्हें सिर्फ एक बंदा काफी है और एस्पिरेंट्स के निर्देशन के लिए जाना जाता है। वीर के अलावा, फिल्म में अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी मौजूद हैं। प्रेम कीटाणु का ऐलान करते हुए निर्माताओं ने इसका पहला पोस्टर भी जारी किया है। इसकी कहानी आज के युवा, उनकी ख्वाहिशों और प्यार व जिंदगी में उनके संघर्षों को एक मजेदार अंदाज में पेश करेगी। अक्षय कुमार अभिनीत स्काई फोर्स (2025) के बाद, वीर दूसरी बार बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।। फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका टकराव अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 के साथ होगा। इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है। ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि 'प्रेम कीटाणु वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू 'स्काई फोर्स से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। 'स्काई फोर्स में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। ऐसे में देशभक्ति और एक्शन से भरपूर ड्रामा के बाद अब युवा और रिश्तों पर आधारित एंटरटेनर का हिस्सा बनना दिखाता है कि वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग-अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं। जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर 'नाम – टू लिव इज़ वॉर भी शामिल है। महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं। 'प्रेम कीटाणु और 'नाम – टू लिव इज़ वॉर के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां 'प्रेम कीटाणु रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं 'नाम – टू लिव इज़ वॉर में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। 'स्काई फोर्स के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

डीप नेक हॉल्टर टॉप में कंगना शर्मा का बोल्ड अंदाज, तस्वीरों ने इंटरनेट पर बढ़ाया पारा

एक्ट्रेस और मॉडल कंगना शर्मा अक्सर अपने बेबाक अंदाज और ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में कंगना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद ही आकर्षित और बोल्ड तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के पसीने छूट गए हैं। कंगना शर्मा ने एक क्लासी ऑलिव ग्रीन लेदर स्टाइल हॉल्टर-नेक टॉप पहना हुआ है। इस टॉप में फ्रंट लेसिंग और डीप प्लंजिंग नेकलाइन दी गई है, जो उनके लुक को बेहद हॉट और सिज़लिंग बनाती है। इस बोल्ड टॉप को बैलेंस करने के लिए कंगना ने ऊपर से एक ऑफ-वाइट ओवरसाइज़्ड ब्लेज़र पेयर किया है, जिसके कफ्स पर फ्लोरल प्रिंट की डिटेलिंग है। इसके साथ ही उन्होंने मैचिंग वाइट रिब्ड प्लीटेड फ्लेयर्ड पैंट्स पहनी है, जिसका बॉटम फ्रिंज स्टाइल में है। हाथ में स्नेक-स्किन हैंडबैग और प्लेटफॉर्म स्नीकर्स कंगना शर्मा के इस ट्रैवल-रेडी-ग्लैम लुक को परफेक्ट फिनिश दे रहे हैं। ग्लैमरस आउटफिट के साथ-साथ कंगना की एक्सेसरीज भी ध्यान खींचती हैं। उन्होंने गले में डबल-लेयर पर्ल नेकलेस पहना है, जो उनके डीप-नेक टॉप को एक रॉयल और एलिगेंट टच देता है। आंखों पर पहना गया थिन स्लिम ब्लैक रेक्टेंगुलर सनग्लासेज उनके लुक में एक रेट्रो-चीक वाइब जोड़ता है। कंगना का हेयरस्टाइल और मेकअप उनके ओवरऑल अवतार में चार चांद लगा रहा है। हेयरस्टाइलः उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स और हाइलाइट्स के साथ खुला रखा है। माथे पर फ्रंट बैंग्स उनके चेहरे के कटआउट्स को बेहद खूबसूरती से फ्रेम कर रही हैं। न्यूड-पिंक लिपस्टिक, ग्लोइंग बेस, डिफाइंड आइब्रो और हल्का आई-मेकअप कंगना के लुक को काफी क्लासी और नेचुरल दिखा रहा है। तस्वीरों में कंगना शर्मा का हर एक पोज कैमरे के सामने उनकी ग्रेस और बोल्डनेस को बयां करता है। किसी तस्वीर में वे चश्मे को नीचे खिसकाकर सीधे कैमरे में इंटेंस और सिडक्टिव लुक दे रही हैं, तो किसी में चेयर पर बैठकर अपना अटिट्यूड और टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं।

फिल्म जगत ने याद किया साधना शिवदासानी को

हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री साधना शिवदासानी की जयंती पर फिल्म जगत की कई हस्तियों ने उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री सायरा बानो और अभिनेता जैकी श्रॉफ ने साधना की यादगार अदाकारी और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद किया। सायरा बानो ने इंस्टाग्राम पर कुछ पुरानी और खास तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह खुद साधना, राज कपूर और माला सिन्हा जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। साधना को याद करते हुए सायरा ने उन्हें भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शामिल बताया और उनकी गरिमामय शख्सियत की सराहना की। उन्होंने लिखा कि साधना शशधर मुखर्जी के फिल्मालय स्टूडियो की बेहतरीन खोजों में से एक थीं। सायरा ने 'वो कौन थी', 'मेरा साया' और 'वक्त' जैसी फिल्मों में साधना के शानदार अभिनय को याद करते हुए कहा कि उनकी अदाकारी आज भी दर्शकों की यादों में जीवित है।

बंगाली भाषा में संवाद बोलना बिल्कुल नया अनुभव था : शहनाज

अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' को लेकर अभिनेत्री शहनाज गिल चर्चा में हैं। इस पंजाबी फिल्म में वह पहली बार एक बंगाली महिला के किरदार में नजर आएंगी। 'सिंह वर्सेस कौर 2' 11 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेत्री ने बताया कि इस भूमिका के लिए बंगाली भाषा बोलना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन पूरी प्रक्रिया उनके लिए काफी दिलचस्प और यादगार रही। शहनाज ने बातचीत में कहा कि वह खुद पंजाबी हैं, इसलिए बंगाली भाषा में संवाद बोलना उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव था। फिल्म की टीम ने उनकी मदद के लिए भाषा के शिक्षकों की व्यवस्था की। शहनाज के मुताबिक वह अपनी संवाद पंक्तियां दिमाग में पंजाबी में याद करती थीं, लेकिन कैमरे के सामने उन्हें बंगाली में बोलना पड़ता था। उन्होंने माना कि यह चुनौतीपूर्ण जरूर था, लेकिन उन्हें किरदार निभाने में काफी आनंद आया। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म में कोलकाता को खूबसूरती से दिखाया गया है। फिल्म में हास्य, रोमांस, एक्शन और भावनाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा। उनका कहना है कि दर्शकों ने ट्रेलर में जितना मसाला देखा है, फिल्म में उससे कहीं अधिक मनोरंजन मौजूद है। गिप्पी ग्रेवाल के साथ काम करने के अनुभव को लेकर शहनाज ने उन्हें मजेदार और ख्याल रखने वाला इंसान बताया। उन्होंने कहा कि गिप्पी सेट पर काफी सहज माहौल बनाए रखते हैं और उन्हें कई चीजों की अच्छी जानकारी है। शहनाज ने भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई। 'सिंह वर्सेस कौर 2' जैसी चर्चित फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने को लेकर शहनाज ने कहा कि इसमें चुनौती जरूर होती है, क्योंकि पहले भाग में जसमीत कौर की भूमिका किसी अन्य अभिनेत्री ने निभाई थी। हालांकि उन्होंने पिछली भूमिका से अपनी तुलना को लेकर दबाव महसूस नहीं किया। उनका मानना है कि हर कलाकार किसी किरदार को अपने तरीके से प्रस्तुत करता है और दर्शक उनके काम को भी पसंद करेंगे। मुंबई और पंजाब के बीच जीवन और करियर के संतुलन पर शहनाज ने कहा कि दोनों जगहों से उन्हें अलग-अलग तरह की खुशी मिलती है। मुंबई में उन्हें अपनी मेहनत पर गर्व महसूस होता है, जबकि पंजाब पहुंचकर उन्हें घर लौटने जैसा सुकून मिलता है। शहनाज ने बताया कि वह पहले से ही 'सिंह वर्सेस कौर' की प्रशंसक थीं और दूसरे भाग में काम करना चाहती थीं। फिल्म का निर्देशन नवनीत सिंह ने किया है। इसमें शहनाज पहली बार गिप्पी ग्रेवाल के साथ नजर आएंगी।

सूर्या की 'विश्वनाथ एंड सन्स जल्द ओटीटी पर, 11 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर आने की चर्चा

अभिनेता सूर्या और निर्देशक वेंकी अटुलुरी की फिल्म 'विश्वनाथ एंड सन्स सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब ओटीटी मंच पर दस्तक देने की तैयारी में है। ममिता बैजू के साथ मुख्य भूमिका वाली यह तमिल-तेलुगु पारिवारिक फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन करते हुए सूर्या के करियर की प्रमुख व्यावसायिक सफल फिल्मों में अपनी जगह बनाई है। सितारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बैनर तले सूर्यदेवरा नागा वामसी और साई सौजन्या ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म अभी भी कुछ सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। इसी बीच फिल्म उद्योग में चर्चा है कि सिनेमाघरों में रिलीज के करीब एक महीने बाद 11 सितंबर को फिल्म को नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में प्रदर्शित किया जा सकता है। हालांकि, इस संभावित ओटीटी रिलीज तारीख की अभी नेटफ्लिक्स की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिल्म से जुड़े व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार, 'विश्वनाथ एंड सन्स ने तीसरे सप्ताह तक दुनिया भर में 250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। भारत में भी फिल्म का शुद्ध कारोबार तीसरे सप्ताह तक 150 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया था। तमिल और तेलुगु दोनों भाषाओं में फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला है। भाषा के आधार पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 14 दिनों में भारत में फिल्म के तमिल संस्करण ने करीब 77.48 करोड़ रुपये, जबकि तेलुगु संस्करण ने लगभग 72.70 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इस तरह दोनों भाषाओं से फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार करीब 150 करोड़ रुपये रहा। इन आंकड़ों को फिल्म की सफल द्विभाषी सिनेमाघरी यात्रा के तौर पर देखा जा रहा है। 'विश्वनाथ एंड सन्स की कहानी संजय विश्वनाथ के इर्द-गिर्द घूमती है। शादी को लेकर हिचकिचाहट के बावजूद संजय किराये की कोख के माध्यम से पिता बनते हैं। बाद में जब उनके बच्चे को अस्थि-मज्जा प्रत्यारोपण की जरूरत पड़ती है, तब बच्चे की जैविक मां मैडी उनकी जिंदगी में प्रवेश करती हैं। मैडी के आने के बाद दोनों के बीच भावनात्मक रिश्ता विकसित होता है, लेकिन उम्र का अंतर उनके संबंधों को जटिल बना देता है। फिल्म में पारिवारिक भावनाओं के साथ प्रेम, रिश्तों की उलझन और व्यक्तिगत संघर्ष को कहानी का आधार बनाया गया है। फिल्म में सूर्या और ममिता बैजू की जोड़ी को दर्शकों का विशेष ध्यान मिला है। दोनों कलाकारों के बीच की भावनात्मक केमिस्ट्री फिल्म की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पारिवारिक भावनाओं और रिश्तों पर आधारित इस फिल्म ने तमिल और तेलुगु दोनों क्षेत्रों में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। अब दर्शकों को फिल्म के ओटीटी प्रदर्शन का इंतजार है। 11 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर इसके संभावित प्रदर्शन की चर्चा जरूर है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि के लिए नेटफ्लिक्स की घोषणा का इंतजार करना होगा।

सूरी की 'मंदाडी का दमदार ट्रेलर जारी, ग्रामीण पृष्ठभूमि में दिखा जबरदस्त एक्शन,10 सितंबर को होगी रिलीज

अभिनेता सूरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मंदाडी को लेकर चर्चा में हैं। मथिमारन पुगाज़ेंधी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 10 सितंबर 2026 को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में सूरी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनके तेलुगु फिल्म जगत में पदार्पण को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है।

फिल्म के पहले जारी किए गए टीजर और गीतों को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर भी जारी कर दिया है, जिसमें ग्रामीण परिवेश के बीच दमदार एक्शन और रोमांचक घटनाक्रम की झलक देखने को मिलती है। ट्रेलर ने फिल्म को लेकर

दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। ट्रेलर में सूरी 'सट्टई पुली की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। उनका किरदार रहस्यमयी परिस्थितियों के कारण अपना गांव और खेल छोड़ चुका है। ट्रेलर में उसके अतीत और गांव से जुड़े घटनाक्रम की झलक दिखाई गई है, हालांकि इसके पीछे की असली वजह को फिलहाल रहस्य बनाए रखा गया है। सूरी ने अपने दमदार अभिनय और प्रभावशाली व्यक्तित्व से किरदार में जान डालने की कोशिश की है। ग्रामीण माहौल, संघर्ष और मारधाड़ से भरपूर दृश्यों के साथ ट्रेलर फिल्म की कहानी को एक गंभीर और रोमांचक अंदाज में पेश करता है।

फिल्म के ट्रेलर में पृष्ठभूमि संगीत और छायांकन विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करते हैं। ग्रामीण परिवेश को प्रभावशाली ढंग से कैमरे में उतारा गया है। एक्शन दृश्यों के साथ संगीत का तालमेल ट्रेलर को और प्रभावशाली बनाता है। फिल्म में मनोरंजन के साथ-साथ भावनात्मक और संघर्षपूर्ण पहलुओं की झलक भी देखने को मिलती है। 'मंदाडी में सूरी के अलावा महिमा नांबियार, सत्यराज, मिथुन जय शंकर, रवींद्र विजय, बाला सरवनन और स्टन शिवा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। कलाकारों की मजबूत मौजूदगी ने फिल्म के प्रति दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। फिल्म का निर्माण एल्ड्रेड कुमार ने अपने आरएस इन्फोटेनमेंट बैनर के तहत किया है। उन्होंने आर. मोहनवासनथन और थिरल शंकर के साथ मिलकर फिल्म की कहानी भी लिखी है। मथिमारन पुगाज़ेंधी के निर्देशन में बनी यह फिल्म ग्रामीण पृष्ठभूमि, एक्शन और भावनात्मक घटनाक्रम के मेल के साथ दर्शकों के सामने पेश की जाएगी। फिल्म के टीजर और गीतों को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद अब ट्रेलर जारी होने से 'मंदाडी को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। फिल्म 10 सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

नवीन पॉली 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट ने बॉक्स ऑफिस पर रचा इतिहास

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों मलयालम फिल्म 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट शानदार प्रदर्शन कर रही है। नवीन पॉली अभिनीत इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने रिलीज के साथ ही दर्शकों के बीच मजबूत पकड़ बना ली और अब कमाई के मामले में कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म ने 16 दिनों में भारत में 100 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध कारोबार कर लिया है, जबकि दुनियाभर में इसकी कमाई 250 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुकी है। फिल्म की लगातार मजबूत कमाई ने इसे मलयालम सिनेमा की सबसे सफल फिल्मों की सूची में शामिल कर दिया है। उपलब्ध कारोबार आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म का दुनियाभर का सकल कारोबार 251.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सैकनिल्क के अनुसार, 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट ने पहले दिन 4.90 करोड़ रुपये

का कारोबार किया था। पहले सप्ताह में फिल्म ने 52.30 करोड़ रुपये और दूसरे सप्ताह में 49.85 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे सप्ताह में भी फिल्म की रफ्तार कायम रही। 15वें दिन फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये, जबकि 16वें दिन शनिवार को 5.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म का शुद्ध कारोबार बढ़कर 113.95 करोड़ रुपये हो गया। फिल्म के कारोबार और मुनाफे की बात करें तो कोईमोई के अनुसार, 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट का निर्माण करीब 30 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है। फिल्म ने विदेशों में लगभग 117 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 251.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस हिसाब से फिल्म ने अपने बजट के मुकाबले 738.83 प्रतिशत का मुनाफा कमाया है। फिल्म की यह सफलता मलयालम सिनेमा के लिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि सीमित बजट में बनी फिल्म ने बड़े स्तर पर दर्शकों को आकर्षित किया है। 'बेथलेहम कुडुंबा यूनिट अब मलयालम सिनेमा की तीसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इस दौरान फिल्म ने 'वाझा 2, 'मंजुमल बॉय और 'दृश्यम 3 जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है।

BRIFF NEWS

J&K Police identify slain terrorist as Pak national

Srinagar, Agency: A terrorist killed in Friday's encounter in a forest area of Budgam district of Kashmir has been identified as a Pakistani national.

"You can run but you can't hide! The terrorist neutralised during Op Ashdar has been identified as Yasir, a Pakistani national of Lashkar-e-Taiba," J&K Police said in a post on X Saturday.

Police sources believe Yasir was part of an LeT network operating in central Kashmir. According to officials, he infiltrated into the Valley through Tulail sector in Bandipora district and later operated from the upper reaches of central Kashmir and areas south of the Pir Panjal range.

Panun Kashmir stages hunger strike, demands genocide law

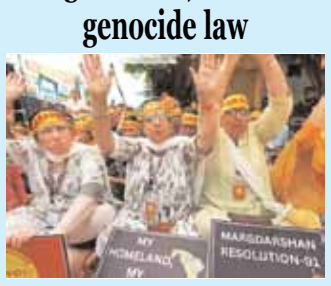

Jammu, Agency: A displaced Kashmiri Pandit organisation Saturday observed a day-long hunger strike demanding the creation of a separate homeland in the valley for their rehabilitation and enactment of a genocide law.

Panun Kashmir chairperson Tito Ganju said India, as a signatory to the UN Genocide Convention, was obligated to enact a dedicated law dealing with genocide. The organisation's demands included official recognition of the genocide of Kashmiri Pandits, passage of a Genocide Bill, creating a separate Union Territory as a secure homeland in the valley, creation of 15,000 jobs in central govt departments for unemployed and over-aged youth, and enhancement of ex gratia assistance and monthly relief.

Census 2027 enumeration advanced in four poll-bound states

New Delhi, Agency: The Centre has decided to advance the population enumeration phase of Census 2027 in Uttar Pradesh, Goa, Punjab and non-snow-bound areas of Uttarakhand - given that all four states are due for assembly polls early next year - to the time period December 1, 2026 to January 4, 2027, with January 5, 2027 as the reference date. This will be preceded by a 15-day self-enumeration window in the four states from November 16 to 30, 2026.

The first phase of Census in Manipur, which is also due for assembly polls in February-March next year, was recently postponed in view of demands from within the state to hold the national register of citizens (NRC) exercise first.

Worked for 1m 22s

Bike Theft Crackdown Puts Thieves on the Run in East Champaran

Sagar Suraj

47 Arrests, 43 Motorcycles Recovered in August: East Champaran Police Crack Down on Bike Theft Network Despite Open Nepal Border

MOTIHARI: A sustained crackdown on motorcycle thieves by the East Champaran police in August appears to have dealt a major blow to a network that has long taken advantage of the porous India-Nepal border and the easy movement of stolen bikes across the frontier.

Records available for 36 cases listed in the August report show 43 motorcycles recovered and 47 suspects arrested. The figures underline the impact of targeted police action, local intelligence and close coordination between senior officers and police teams at the station level.

The success is not limited to a single police station. Dhaka police recorded three cases, four recoveries and three arrests, while Kotwa registered three cases, recovered three motorcycles and arrested five suspects. Kundwa Chainpur also reported three cases, three recoveries and three arrests.

Among the other notable results, Chhauradano reported three motorcycle recoveries and two arrests in two cases, while Ramgarhwa recorded three recoveries and three arrests in two cases. Ghodasahan and Jharokhar each reported one case with five arrests, while Dumariyaghat reported two recoveries and four arrests in a single case.

The pattern emerging from the case details suggests that the police did not depend only on routine checking or chance arrests.

Information gathered through local sources, followed

by sustained questioning of arrested suspects, appears to have helped investigators connect individual theft cases with wider networks and identify motorcycles reported stolen at different police stations.

The border location of East Champaran makes the achievement particularly significant. With several border points providing easy access to Nepal, stolen motorcycles can potentially be moved out of the district quickly.

The case records also include suspects and addresses linked to areas in Nepal, showing the cross-border dimension of the problem.

The August operation also points to better coordination within the police force. Senior officers, including Superintendent of Police Swarn Prabhat, appear to have kept close watch on the performance of investigating teams while police personnel at the ground level worked on local leads and interrogation.

The message from the figures is clear: the crackdown has increased the risk for motorcycle thieves operating in the district.

Recoveries made from cases registered at different police stations indicate that the police are not merely catching riders with stolen bikes but are trying to trace the network behind the thefts. With 43 recoveries and 47 arrests in the 36 cases visible in the supplied August record, the campaign has emerged as one of the more significant recent actions against motorcycle theft in the district.

CBI FIR against Subhash Chandra in alleged Rs 1,322cr LIC Housing Finance fraud

New Delhi, Agency: CBI has filed an FIR against Essel Group Chairman Subhash Chandra and some other individuals for allegedly defrauding LICHFL (LIC Housing Finance Ltd) of Rs 1,322 crore between 2018 and 2026. LICHFL alleged that Chandra had submitted a 'net worth certificate' of Rs 59,113 crore in 2018 while availing credit facilities but in 2024 stated that his net worth was just Rs 31.7 crore. The FIR was registered on a complaint filed by LICHFL on Aug 31.

According to the FIR, LICHFL had sanctioned two loan facilities totalling Rs 980 crore to four companies. A Rs 500-crore facility was

sanctioned to Vasant Sagar Properties Pvt Ltd and Pan India Infraprojects Pvt Ltd, while another Rs 480 crore was given to Digital Subscriber Management and Consultancy Services Pvt Ltd and Spirit Infrapower and Multiventures Pvt Ltd.

Both facilities were backed by personal guarantees furnished by Essel Group chairman Subhash Chandra. The complaint alleged that the loans were sanctioned on the basis of net-worth certificates submitted on behalf of Chandra. One certificate, issued in March 2018, allegedly showed his net worth at $6,197.6 million, equivalent to around Rs 59,113 crore, as of March 31, 2017. Another certificate put his net worth at Rs 40,562 crore. However, the complaint stated, during the subsequent insolvency proceedings, Subhash Chandra had denied possessing the net worth reflected in the certificates. He allegedly stated that his net worth in 2024 was Rs 31.79 crore and that even in 2017-18 it had not exceeded Rs 40,000 crore.

Nepal floods show the risk China's mega-dam raises bigger questions for India

New Delhi, Agency: The rain came down relentlessly, turning quiet mountain streams into raging torrents and narrow roads into muddy rivers. Across Nepal, floodwaters and debris swept through homes, roads and hydropower facilities, leaving behind broken bridges, stranded communities and villages cut off from the outside world.

In the mountains, where steep slopes already make life precarious, swollen rivers, landslides and collapsing rock can quickly turn a natural hazard into a cascading disaster. For communities living along narrow Himalayan valleys, a sudden rush of water, ice and debris can leave little time to escape.

The recent flash floods in Nepal have brought these vulnerabilities sharply into focus. Search teams have battled heavy rain and thick layers of debris while looking for people believed to be trapped in tunnels, hydropower projects and underground power facilities along the Bhotekoshi River.

But the devastation has also raised a larger question: what happens when the already fragile Himalayan environment is combined with increasingly large infrastructure projects, including dams, tunnels, highways and hydropower facilities?

That question has particular significance for India because the Himalayas are not confined by political

boundaries. Rivers, glaciers, mountain systems and geological faults cut across China, Nepal, Bhutan and India. A disaster originating in the high mountains can therefore have consequences far beyond the point where it begins.

It is against this backdrop that China's massive hydropower project on the Yarlung Tsangpo, known downstream as the Brahmaputra, has come under renewed scrutiny. The project, being built in Tibet's Medog County at the dramatic Great Bend of the river, is expected to become the world's largest hydropower project.

Its location, however, adds another layer of concern. The project sits in one of the world's most geologically challenging regions, marked by steep Himalayan terrain, active faults, earthquakes, landslides, glaciers and extreme weather. These natural risks make the dam not just a massive engineering undertaking, but also a strategically sensitive project located upstream of one of India's most important rivers.

DTC fought conductor for 32 years over Rs 67 fare and his wages, now fined Rs 1 lakh by Delhi HC

New Delhi, Agency: The Delhi High court has imposed costs of Rs 1 lakh on the Delhi Transport Corporation (DTC) for pursuing a 32-year-old dispute with a bus conductor over payment of 17 months' back wages, terming the prolonged litigation an abuse of the process of law.According to PTI report, Justice Amit Mahajan dismissed the DTC's challenge to a 2004 Industrial Tribunal order in favour of the conductor, observing that the department's continued litigation over the limited claim had resulted in avoidable expenditure of public money.

The court, in its September 2 order, said the DTC could recover the costs from the officer responsible for pursuing what it described as an "insignificant dispute". Of the Rs 1 lakh imposed, Rs 25,000 will be paid to the Delhi High Legal Services Committee, Rs 50,000 to the PM Relief Fund and Rs 25,000 to the conductor. The dispute dates back to November 1994, when the conductor was accused of failing to issue tickets to three passengers despite collecting a total fare of Rs 67. He was suspended following the incident.

Although the enquiry officer had ruled in the conductor's favour, the disciplinary authority disagreed and issued a show-cause notice proposing his removal from service. He was subsequently removed with effect from August 1996.

The conductor challenged the action, following which the DTC chairman-cum-managing director set aside his removal. In 1998, the DTC chairman ordered his reinstatement but denied him back wages and reduced his pay scale.

The dispute then reached the Industrial Tribunal, which in 2004 held that the punishment was illegal and without basis. It ruled that the conductor was entitled to wages on his regular pay scale, along with arrears arising from the reduced wages and regular wages for the relevant period.

Innovators should develop low-cost solutions: Goyal

New Delhi, Agency: Commerce and industry minister Piyush Goyal has called upon innovators and startups to develop low-cost and sustainable solutions to help civil society, the corporate sector and govt deal with initiatives that create social impact, such as cleaning up of lakes that he has started in his constituency.

"May be one of the innovators will come up with a cleaning machine for these lakes to maintain these lakes. There are machines internationally available but at a huge price. May be one of our startups will very easily be able to make it," Goyal said at the Media Social Impact Summit on Saturday. The minister, an MP from North Mumbai, is seeking to clean up nine lakes in his constituency and expand the initiative to the city.

He said in India, citizens voluntarily take up social causes. "When the Companies Bill was piloted about 13-14 years ago bringing in the provision of (mandatory 2% spend on) CSR, we were in opposition. I remember in the finance com-

mittee when the bill came up for scrutiny, I had felt we are actually doing dis-service to the Indian ethos, to the Indian way of life because in India, people don't do CSR out of compulsion. The moment we bring it into the garb of compulsion we change that connection. But be that as it may, it has brought more funds into CSR." He also said govt's housing initiative had helped bring dignity to people and create assets, while pushing a large section into the middle class. "That coming into the middle class, maybe neo middle class will move to upper middle class, will have a better quality of life. Double incomes are coming into families... this is spurring your economic growth. So, this is a very profitable proposition when you serve society."

Congress replaces Bhupesh Baghel with Sachin Pilot as Punjab general secretary

New Delhi, Agency: The Congress on Saturday appointed Sachin Pilot as the party's general secretary in-charge of Punjab, replacing Bhupesh Baghel, news agency PTI reported. The appointment comes as Congress prepares to strengthen its organisation and political strategy in the state ahead of the Punjab assembly elections. Congress had appointed former Chhattisgarh chief minister Bhupesh Baghel as an AICC general secretary and made him the party's Punjab incharge in 2025.

A prominent OBC leader, Baghel was credited with helping revive the Congress in Chhattisgarh and led the party to a landslide victory in the 2018 assembly elections.

CIL offers extra fuel, 57 plants now report critically low stock

New Delhi, Agency: State-run Coal India Limited (CIL) has offered power plants having fuel supply agreements with it and its subsidiaries to lift additional quantities of coal, over and above the quantities stipulated in their annual contracts, as stocks available at thermal power plants fell further. Central Electricity Authority (CEA) data showed that on Sept 4, the number of plants with critically low coal stocks had increased to 57. The total stock availability was estimated at 27.1 MT, or 47% of the recommended requirement of 57.7 MT. Media Saturday

reported that 50 of 190 coal-fired power plants had less than 25% of the recommended coal requirement.

Coal ministry said the situation was likely to improve now as intense rains over coal command regions showed clear signs of easing, while production and supplies of the fuel at CIL's mines were gathering pace.

"Despite prolonged spells of rain through July and Aug, particularly across the East-Central parts, CIL maintained a steady supply run. During April-Aug of the current fiscal, CIL supplied 322.9 MT of coal, 6.7% higher than the 302.6 MT supplied during the corresponding period last year." It said, "Supplies to the power sector in Aug 2026 also rose 4.5% to 48.46 MT, compared with Aug 2025." It added that CIL was holding a stock cushion of 76 MT at its pitheads, besides 46 MT of ready-to-mine coal.

The ministry said sticky and wet coal beds were now drying out, making freshly mined coal free-flowing and considerably easier to transfer, handle and dispatch. Coal seams at lower mine horizons that had been submerged were also being restored to production.

The average daily coal production improved from 1.4 MT during the rain-affected first three days of Sept to nearly 1.7 MT on Sept 4, with just a single day's respite from rain, it said.